दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-79 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 02 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

बौद्ध धर्म मुख्य रूप से जनता का धर्म है। मुझे उसके पास जाकर निराशा नहीं होती। मैं एक क्षण के लिए भी यह नहीं मानता कि बौद्ध धर्म भारत से निर्वासित हो चुका है। मैं देखता हूँ कि बौद्ध धर्म की प्रत्येक सारभूत विशेषता को चीन, लंका तथा जापान की अपेक्षा भारत में ही अधिक व्यवहार में लाया जा रहा है। बुद्ध को यहाँ से हटाना असंभव है। वे आज लाखों व्यक्तियों के जीवन में बसते हैं।

(07.05.1925:बुद्ध जयंती के अवसर पर कलकत्ता में दिए भाषण का अंश:सं.गां.वां. खंड 27: पृष्ठ 62)

पश्चिम बंगाल के 15 बूथों में आज पुनर्मतदान

-ईवीएम से छेड़छाड़ और हिंसा की मिलीं थीं शिकायतें
-कोलकाता में स्ट्रॉन्ग रूम के आस-पास भीड़ पर पाबंदी

कोलकाता, (ए)। ईवीएम से छेड़छाड़ और हिंसा की शिकासतों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 15 बूथों पर पुनर्मतदान कराने का फैसला किया है। दोबारा मतदान शनिवार को कराया जाएगा। विवादों के चलते सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान डायमंड हार्बर के 4 और मगराहट पश्चिम के 11 बूथों पर हिंसा, झड़प और ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतें सामने आई थीं, जिससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई। इस बीच कोलकाता में ईवीएम की सुरक्षा को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शहर के 7 स्ट्रॉन्ग रूम के 200 मीटर के दायरे में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की लगभग 700 कंपनियां तैनात की गई हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

यह निर्णय गुरुवार रात खुदीराम अनुशीलन केंद्र स्थित स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद लिया गया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीब पांच घंटे तक धरना दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि बिना सूचना के स्ट्रॉन्ग रूम खोला गया और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका है, साथ ही वहां संदिग्ध लोगों की मौजूदगी का भी दावा किया। हालांकि भारत निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उस समय केवल पोस्टल बैलेट की छंटाई की जा रही थी और सभी ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं। आयोग ने यह भी कहा कि त्रिपल लेयर सुरक्षा व्यवस्था के चलते ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। प्रशासन ने एहतियातन सख्ती बढ़ाते हुए स्थिति पर नजर बनाए रखी है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

भबानीपुर में 4 घंटे डटीं ममता बनर्जी, कहा- ईवीएम छेड़छाड़ हुई तो जान की बाजी लगाएंगे

कोलकाता, (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के तहत मतदान निपट चुका है और अब मतगणना स्थलों की सुरक्षा को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ा हुआ है। गुरुवार शाम को अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को मतगणना स्थल पर सतर्क रहने को कहने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद भबानीपुर के स्ट्रांगरूम पर पहुंच गईं। कोलकाता में अपने निर्वाचन क्षेत्र के स्ट्रांगरूम पर ममता ने करीब 4 घंटे समय बिताया और चुनाव आयोग को चेतावनी भी दी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता ने दक्षिण कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल में बने स्ट्रांगरूम का दौरा किया। उन्होंने यह दौरा तब किया, जब एक वायरल वीडियो में स्ट्रांगरूम के आसपास की गतिविधियों को दिखाया गया था। यहां का दौरान करने के बाद ममता ने कहा, अगर कोई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) चुराने या गिनती में छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है, तो हम जान की बाजी लगाकर लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह पूरी जिंदगी लड़ेंगी।

मुंबई में 1745 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, गृह मंत्री शाह ने एनसीबी को दी बधाई

मुंबई ,(आरएनएस)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बधाई देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हम नशीले पदार्थों के कार्टेल को पूरी तरह से कुचलने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। गृह मंत्री ने लिखा कि एनसीबी ने नशीले पदार्थों के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह पर शिकंजा कसते हुए मुंबई में 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च-गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह बॉटम-टू-टॉप (नीचे से ऊपर) दृष्टिकोण का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसमें एजेंसी ने एक छोटी खेप का पता लगाते हुए एक विशाल नेटवर्क को बेनकाब किया। इस शानदार सफलता के लिए टीम एनसीबी को बधाई। बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय नशीली दवाओं की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 1745 करोड़ रुपये मूल्य की 349 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन जब्त की है। यह जब्ती एक छोटे कंसाइनमेंट को ट्रैक करते हुए, बड़े नेटवर्क तक पहुंचने वाली नीचे से ऊपर रणनीति का हिस्सा है।

मां नर्मदा की हुई महाआरती

नर्मदापुरम (निप्र)। सेठानीघाट पर परम्परागत रूप से होने वाली माँ नर्मदा जी की महाआरती वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को प्राचीन नर्मदा मंदिर के सामने पंच विप्रजनों द्वारा सम्पन्न हुई। नर्मदा महाआरती के संयोजक प्रशान्त मुन्नू दुबे ने बताया कि माँ नर्मदा जी की महाआरती का यह आयोजन मई 2009 में महन्त प्रज्ञा भारती जी के सानिध्य में तथा पूर्व विधायक पं गिरिजा शंकर शर्मा के मार्गदर्शन में सेठानी घाट पर प्रारम्भ हुआ था तब से आज तक लगातार पूर्णिमा और विभिन्न राष्ट्रीय और धार्मिक पर्वों पर नगरवासियों की आस्था एवं विश्वास का आयोजन बन गया है।नर्मदा महाआरती का यह गौरवशाली 16 वां वर्ष है।

बरगी डैम हादसे की सबसे दर्दनाक तस्वीर, मां की ममता ने मरते दम तक नहीं मानी हार

जबलपुर(आरएनएस)। बरगी डैम के बैकवॉटर में हुए क्रूज हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. इस दौरान दिल को झकझोरने वाले दृश्य सामने आ रहे हैं. आगरा से बुलाई गई स्पेशल डाइविंग टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान रूह कंपा देने वाला सीन दिखाई दिया. डैम में पानी की गहराई में सर्चिंग के दौरान ऐसा मंजर दिखा, जिसे देख रेस्क्यू टीम का दिल बैठ गया. गहरे पानी में डूबे क्रूज के मलबे के बीच एक मां का शव मिला, जो अपने मासूम बच्चे को कलेजे से चिपकाए थी. मां की पकड़ इतनी मजबूत थी कि मौत का झपट्टा भी शर्मा गया. शुक्रवार सुबह बरगी डैम में फुर्ती के साथ रेस्क्यू में जुटी टीम ने बताया कि सर्चिंग के दौरान जब वे लोग क्रूज के अंदर दाखिल हुए तो ऐसा सीन दिखा, जिसे देखकर दिल कांप गया. क्रूज में खिड़की के पास मलबे के बीच मां अपने बच्चे को अपनी लाइफ जैकेट के भीतर समेटे थी।

बरगी क्रूज़ दुर्घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जायेगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नागरिकों की जान बचाने और सहयोग देने वाले प्रत्येक श्रमिक को दिए जाएंगे 51-51 हजार रूपए

बचाव दल के सभी बहादुरों को राज्य सरकार करेगी सम्मानित

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर जिले के बरगी में हुए क्रूज़ दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त कर इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार प्रत्येक पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में लापरवाही करने वाले दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेन्द्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। होटल मैकल रिसार्ट और मैनेजर बोट क्लब बरगी सुनील मरावी को लापरवाही के लिये निलंबित कर दिया गया है। साथ ही रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्र को मुख्यालय अटैच कर विभागीय जांच संस्थित कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना के दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जायेगा। पीड़ित परिवारों की सरकार हरसंभव सहायता करने के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने व्यथित मन से कहा कि जिन परिजनों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। कठिन समय में पीड़ितों के परिजन खुद को कतई अकेला न समझें। सरकार की ओर से सहायता राशि दी जा रही है। शासन-प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि दुःख की इस घड़ी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में घटनास्थल का मौका मुआयना करने और पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद स्थानीय मीडिया को संबोधित करते हुए यह बातें कही।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना के हर पहलू की गहनता से जांच के लिये उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की जा रही है। समिति में महानिदेशक होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा, सचिव मध्यप्रदेश शासन, आयुक्त जबलपुर संभाग शामिल किए गए हैं। यह समिति तीन बिंदुओं पर दुर्घटना की बारीकी से जांच करेगी, जिसमें दुर्घटना के कारण, क्रूज संचालन के नियम सहित अन्य जरूरी जानकारियां भी जुटाई जाएंगी। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी, जिससे कि भविष्य में इस तरह की दु:खद घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने शुक्रवार को उनको असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एएस चंदुरकर की पीठ ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले की परिस्थितियां राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का संकेत देती हैं, जो खेड़ा परिवार की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा को अनिवार्य बनाती है।गुरुवार को सुनवाई के दौरान खेड़ा ने कोर्ट को बताया था कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां पर लगाए गए आरोपों के मामले में उनको गिरफ्तार करने की आवश्यकता नहीं है, उनको परेशान किया जा रहा है। असम पुलिस ने तर्क दिया कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री के खिलाफ झूठे दावे करने के लिए पासपोर्ट सहित जाली दस्तावेज दिखाए थे और हिरासत से पता चलेगा कि उसके सहयोगी कौन थे और क्या इसमें विदेशी तत्व शामिल थे।

गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने पर राहुल गांधी का निशाना, बोले- अब पेट्रोल-डीजल पर अगला वार

नईदिल्ली, (आरएनएस)। चुनाव खत्म होते ही कामर्शियल गैस के सिलेंडर के दाम एकदम से 993 रुपये बढ़ने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही बताया था कि चुनाव के बाद महंगाई बढ़ेगी और आज कामर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने कहा कि यह एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी है और अब अगला वार पेट्रोल-डीजल पर होगा।

राहुल ने एक्स पर लिखा, कह दिया था- चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी। आज कामर्शियल गैस सिलेंडर 993 रुपये महंगा। एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनावी बिल है। फरवरी से अब तक- 1,380 रुपये की बढ़ोतरी- सिर्फ़ 3 महीनों में 81 प्रतिशत का इजाफा। चायवाला, ढाबा, होटल, बेकरी, हलवाई- हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा। और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा। पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल-डीज़ल पर।

हैदराबाद में सड़क पर खड़ी लॉरी से टकराई तेज रफ्तार कार, मौके पर ही 6 लोगों की मौत

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार को आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक तेज रफ्तार कार के सड़क पर खड़ी लॉरी से टकरा जाने के कारण छह लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने यह जानकारी दी.पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना आज अपराह्न हुई जब तेज रफ्तार कार ने लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी, जिसके कारण मौके पर ही छह लोगों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. खबर के मुताबिक, आउटर रिंग रोट एग्जिट-16 पर खड़ी एक लॉरी को एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी. मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं.सड़क हादसा इतना भीषण था कि, कार लॉरी के पिछले हिस्से में जा फंसी. पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

गेहूं खरीदी में नर्मदापुरम पहले भी नंबर वन था अब भी नंबर वन रहना चाहिए

गेहूं का रिजक्शन नहीं होना चाहिए सिलेक्शन हो- सांसद दर्शन सिंह

सांसद ने कृषि उपज मंडी के खरीदी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण अधिकारियों को दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। गेहूं खरीदी में नर्मदापुरम प्रदेश में पहले नंबर पर था अब भी नंबर बन पर ही रहना चाहिए। यह बात सांसद दर्शन सिंह ने कृषि उपज मंडी में कही। सांसद ने शुक्रवार शाम को कृषि उपज मंडी में खरीदी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं की खरीदी में जो रिजेक्शन किया जा रहा है। किसान हित में ऐसा नहीं होना चाहिए गेहूं का सिलेक्शन किया जाए।

उन्होंने खरीदी कर रहे जितेंद्र सिंह और दीपक थापक से चर्चा करते हुए जो परेशानी आ रही है उसकी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा खरीदी किए जाने वाले अच्छे गेहूं को भी एफसीआई द्वारा रिजेक्ट किया जा रहा है। तब उन्होनें मोबाइल फोन पर एफसीआई के अधिकारी और प्रभारी खाद्य अधिकारी से कहा कि किसान परेशान हो रहे हैं और आप लोग अवकाश मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि गेहूं की खरीदी में ढिलाई नहीं की जाए। किसानों का गेहूं खरीदी होना चाहिए। अधिकारी ध्यान दें कि किसान परेशान नहीं हों। उन्होने कृषि उपज मंडी में मंडी सचिव उइके तथा जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, तहसीलदार सरिता उईके, नान के आधिकारी तथा वेयर हाउस के अधिकारियों को बुलवाकर किसानों को परेशानी नहीं हो इस बात की चेतावनी। इस मौके पर बडी संख्या में किसान तथा भाजपा के कार्यकर्ता भी शामिल रहे।

कैलास मानसरोवर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, जून में जाएगा पहला जत्था; अगस्त तक जाएगी टोली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कैलास मानसरोवर यात्रा को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। दुनिया की दुर्गम यात्राओं में शामिल, इस पवित्र यात्रा की शुरूआत जून में होगी और अगस्त तक चलेगी।

इस बार भी यह यात्रा कुमाऊं के रास्ते पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख दर्रे से दस दलों में पांच सौ यात्री रवाना होंगे। जबकि सिक्किम के नाथुला दर्रे से भी पांच सौ शिवभक्त यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण बुधवार (29 अप्रैल) से शुरू हो चुके है। यात्रा जून के पहले या दूसरे सप्ताह से शुरू होगी। प्रति यात्री खर्च को लेकर कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।विदेश मंत्रालय की बैठक में पिछली बार की कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। अब केएमवीएन की ओर से यात्रा तैयारियां शुरू की जा रही है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि यात्रियों का चयन आवेदकों में से एक कंप्यूटर-आधारित और लिंग-संतुलित चयन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

चलती कार बनी आग का गोला, बड़ा हादसा टला

भोपाल(ए.)। पुराने शहर में शुक्रवार शाम को किलोल पार्क के पास उस समय हड़कंप मच गया जब यहाँ चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर पहुचीं फायर ब्रिगेड और नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कार जलकर पूरी तरह राख हो गई। गनीमत रही कि कार सवार समय रहते जान बचाकर बाहर निकल आये और हादसे में कोई जनहानी नहीं हुई वरना बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के कारणो का पता नहीं चल सका है, जिसकी जॉच की जा रही है।

कक्षा 9वीं, 11वीं की द्वितीय परीक्षा 3 जून से

स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी की समय-सारिणी

भोपाल(निप्र)। प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी है। कक्षा 9वीं की परीक्षा 3 जून से शुरू होगी और 12 जून तक चलेगी, जबकि कक्षा 11वीं की द्वितीय परीक्षा भी 3 जून से शुरू होगी और 13 जून को समाप्त होगी। परीक्षा को लेकर संचालनालय द्वारा दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। वार्षिक परीक्षा में एक या एक से अधिक विषयों में अनुपस्थित/अनुत्तीर्ण विद्यार्थी द्वितीय परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। कक्षा 9वीं में गणित विषय की परीक्षा विद्यार्थियों द्वारा माध्यमिक शिक्षा मण्डल के नामांकन में चयनित Standard गणित / Basic गणित के अनुसार आयोजित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बरगी डैम हादसे का किया स्थल निरीक्षण

राज्य सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने का आश्वासन

भोपाल (निप्र)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर पहुंचकर बरगी डैम पर हुए दर्दनाक हादसे के स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और इससे प्रभावित परिवारों के दुख का अंदाजा लगाना भी कठिन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने हादसे की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही, भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम तत्काल उठाए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना की। उन्होंने प्रशासन को राहत कार्य में तेजी लाने और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

मध्यप्रदेश के शिल्प का फ्रांस में गूँज रहा है नाम, फ़ोयर डे पेरिस में लहरा रहा है बाग प्रिंट का परचम

भोपाल(ए.)। मध्यप्रदेश की अमूल्य शिल्प धरोहर बाग प्रिंट का परचम पेरिस में लहरा रहा है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित 'फोयर डे पेरिस (Foire de Paris) में भारतीय कला और संस्कृति का भव्य प्रदर्शन देखा जा रहा है। इस अवसर पर भारतीय दूतावास, पेरिस की थर्ड सेक्रेटरी सुश्री वर्धा खान ने भारतीय पवेलियन का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान बाग, धार (मध्यप्रदेश) के प्रसिद्ध शिल्पकार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद बिलाल खत्री ने सुश्री वर्धा खान का स्वागत पारंपरिक बाग प्रिंट का अंगवस्त्र पहनाकर किया। बिलाल ने उन्हें इस प्राचीन हस्तशिल्प कला की बारीकियों और इसकी प्राकृतिक रंग प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

शिल्प कला का सजीव अनुभव

उद्घाटन के पश्चात सुश्री वर्धा खान ने भारतीय स्टालों का भ्रमण किया और बाग प्रिंट कला को गहराई से समझा। इस कला के प्रति अपनी रुचि दिखाते हुए उन्होंने स्वयं अपने हाथों से लकड़ी के ठप्पों (ब्लॉक्स) का उपयोग कर एक रुमाल तैयार किया। उन्होंने भारतीय शिल्पकारों के कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस तरह का प्रदर्शन भारतीय विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

टेक्सटाइल एवं गारमेंट सेक्टर में इंटरएक्टिव सेशन में निवेशकों के साथ दिल्ली में हुआ संवाद

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र को उभरते टेक्सटाइल हब के रूप में प्रस्तुत किया गया

भोपाल(ए.)। मध्यप्रदेश को वस्त्र एवं गारमेंट उद्योग के लिए एक सशक्त और प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपी आईडीसी) द्वारा मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में टेक्सटाइल एवं गारमेंट सेक्टर में निवेश अवसर विषय पर इंटरैक्टिव आउटरीच सेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्वालियर एवं चंबल संभाग को केंद्र में रखते हुए राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, नीति समर्थन और अधोसंरचना को प्रमुख उद्योग संगठनों एवं निवेशकों के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। सेशन में टेक्सटाइल एसोसिएशन दिल्ली, ओखला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के साथ-साथ ब्लैकबेरीज़, वेलेंसिया अपैरल्स (नोएडा) और ट्राइबर्ग जैसे प्रतिष्ठित उद्योग समूहों सहित 60 से अधिक निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। यह सहभागिता इस बात का संकेत रही कि मध्यप्रदेश विशेषकर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र, टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निवेश के लिए उद्योग जगत का ध्यान आकर्षित कर रहा है। एमपीआईडीसी की कार्यकारी निदेशक सुश्री अनीशा श्रीवास्तव ने प्रस्तुति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध औद्योगिक भूमि, निवेश प्रोत्साहन योजनाएं, सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी और श्रमशक्ति की उपलब्धता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में विकसित औद्योगिक अधोसंरचना, राष्ट्रीय राजमार्गों एवं रेल नेटवर्क से बेहतर जुड़ाव, तथा प्रतिस्पर्धी लागत पर उपलब्ध कुशल मानव संसाधन इस क्षेत्र को वस्त्र एवं गारमेंट उद्योग के लिए अत्यंत अनुकूल बनाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने की भेंट

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में जारी गेहूँ उपार्जन के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें बताया कि गेहूँ उपार्जन के लिए अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

जीतू पटवारी का केंद्र सरकार पर हमला, कहा- चुनाव के बाद राहत नहीं, बढ़ती महंगाई से जनता बेहाल

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देश में लगातार बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय किए गए वादों के विपरीत आज आम जनता को राहत नहीं, बल्कि महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। जीतू पटवारी ने शुक्रवार को मीडिया में जारी अपने बयान में कहा कि बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार का नारा देने वाली भाजपा सरकार आज महंगाई को चरम पर पहुंचाने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि फरवरी से अब तक व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में करीब 1,380 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है, जो लगभग 81 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है।उन्होंने कहा कि रसोई गैस और व्यावसायिक गैस दोनों के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। केन्द्र सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के जरिए राहत देने के दावे अब महंगे सिलेंडर के बोझ तले दब गए हैं। पटवारी ने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत तीन हजार रुपये के पार पहुंचने से होटल, ढाबों और छोटे व्यापारियों की लागत बढ़ गई है, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं और रोजमर्रा का खर्च तेजी से बढ़ रहा है उन्होंने देश में बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और व्यापारिक गतिविधियां कमजोर पड़ रही हैं। पटवारी ने आरोप लगाया कि देश में बढ़ती महंगाई और आर्थिक अव्यवस्था के लिए केंद्र की भाजपा सरकार जिम्मेदार है।

मप्र में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भाइयों ने बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। यह एक सकारात्मक संदेश है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूँ उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित

भोपाल(निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल द्वारा शुक्रवार को डीमार्ट चौराहा, कोलार रोड स्थित असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के मध्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान श्रमिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा मौके पर ही उनके समाधान के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में श्रमिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष रखीं, जिनका समाधान बताते हुए उन्हें संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित गैर-सरकारी संस्था (एनजीओ) के स्वयंसेवकों द्वारा भी श्रमिकों की समस्याओं को सुनते हुए उनके आवेदन प्राप्त किए गए।सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि ई-श्रमिक कार्ड, संबल योजना एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या होने पर श्रमिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करें।

इन समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक

कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। शिविर में उपस्थित श्रमिकों को विधिक सलाह प्रदान करते हुए संबल योजना, ई-श्रमिक कार्ड एवं विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया गया।

दतिया पुलिस द्वारा सोनागिर जैन मंदिर चोरी प्रकरण के त्वरित खुलासे पर जैन समाज ने डीजीपी कैलाश मकवाणा का किया सम्मान

सोनागिर में आयोजित सम्मान समारोह हेतु किया आमंत्रित

भोपाल(निप्र)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा का आज जैन समाज एवं तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस मुख्यालय, भोपाल पहुंचकर सम्मान किया। प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को स्मृति चिन्ह भेंट कर मध्यप्रदेश पुलिस, विशेष रूप से दतिया पुलिस की तत्पर, प्रभावी एवं संवेदनशील कार्रवाई के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेशवासियों की आस्था, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की रक्षा हेतु पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों से जुड़े अपराध, संपत्ति संबंधी अपराध तथा संगठित अपराधों के विरुद्ध कठोर, त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। श्री मकवाणा ने दतिया पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता, त्वरित कार्रवाई एवं प्रभावी जांच के परिणामस्वरूप ही यह महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध की गई कार्यवाही के तहत दतिया पुलिस ने सोनागिर स्थित प्रसिद्ध जैन मंदिर में हुई चोरी की गंभीर घटना का त्वरित एवं सफल खुलासा करते हुए लगभग 25 लाख रुपए मूल्य की चांदी की मूर्ति, चांदी का सिंहासन, चांदी के यंत्र एवं अन्य सामग्री जब्त कर 20-20 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय शातिर मूर्ति चोर सहित 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

जैन समाज एवं तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों ने कहा कि श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर जी देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा चोरी की घटना से समाज में गहरी चिंता एवं व्यथा का वातावरण निर्मित हुआ था। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के सक्षम, त्वरित, संवेदनशील एवं दूरदर्शी नेतृत्व, सतत व्यक्तिगत मॉनिटरिंग तथा दतिया पुलिस के प्रभावी प्रयासों से चोरी गए माल की शीघ्र बरामदगी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी। उनके सजग मार्गदर्शन और जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण से जैन समाज सहित आमजन में संतोष, प्रसन्नता, सुरक्षा एवं मध्यप्रदेश पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक को 3 मई को श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर में आयोजित सम्मान समारोह हेतु आमंत्रित भी किया।

इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर संरक्षिणी (न्यास)कमेटी दतिया मध्य प्रदेश मंत्री बालचंद जैन, कोषाध्यक्ष एडवोकेट राजेन्द्र जैन, डॉ मुकेश जैन, मूलचंद जैन ठेकेदार, विजय कुमार जैन मामा, जिनेन्द्र कुमार जैन एवं भोपाल से पत्रकार रविन्द्र जैन सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं को शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 संचालित

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन 11 मई तक जमा कर सकते हैं

भोपाल (निप्र)। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सैन्य बल पुलिस होमगार्ड एवं निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना 2026 संचालित की जा रही है। योजना के तहत भोपाल जिले में पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों के लिए पृथक-पृथक 45 दिवसीय नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें प्रशिक्षण अवधि में चयनित पात्र पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को राशि 1000 रुपये प्रतिमाह तथा पात्र महिला प्रशिक्षणार्थियों को राशि 1100 रुपये प्रतिमाह की दर से शिष्यवृत्ति भी उपलब्ध करायी जाएगी। अभ्यर्थी मध्यप्रदेश का मूल निवासी अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमिलेयर) न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण और निर्धारित शारीरिक मापदण्ड पूर्ण करता हो। प्रक्रिया: प्राप्त आवेदनों में से 12वीं के प्राप्तांकों की मेरिट के आधार पर जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा चयन किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, भोपाल के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो : मंत्री श्री सारंग

एमपीआरडीसी के अधिकारियों के प्रति जताई नाराजगी

भोपाल (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बरखेड़ानाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कार्यों की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खेल परिसर के सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र पूर्ण किए जाएं। मंत्री श्री सारंग ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता में कमी पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

हैण्डओवर प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही करें सुनिश्चित

मंत्री श्री सारंग ने निर्देशित किया कि कॉम्पलेक्स के हैण्डओवर और टेकओवर की प्रक्रिया का पूर्ण वेरिफिकेशन किया जाए। बिना तकनीकी सत्यापन के किसी भी संरचना का हैंडओवर नहीं लिया जाए। साथ ही, सभी मरम्मत योग्य कार्यों का विस्तृत फ्लो-चार्ट बनाकर चरणबद्ध मरम्मत योजना तैयार की जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता और गति बनी रहे। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि परिसर में पानी, बिजली, स्वच्छता, पार्किंग, आईटी, सर्वर रूम सहित सभी आवश्यक मूलभूत एवं आधुनिक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कॉम्पलेक्स के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक भवन, सर्वर रूम, आईटी रूम और आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण के लिये ठोस कार्य-योजना तैयार की जाए।

आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत ऊर्जा मंत्री श्री तोमर उपनगर ग्वालियर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचे

समस्याओं का कराया समाधान, सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर जताई नाराजगी

ग्वालियर(आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा जनसमस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से उपनगर ग्वालियर में "आपका सेवक आपके द्वार" कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कड़ी में मंत्री श्री तोमर शुक्रवार को उप नगर ग्वालियर के वार्ड 36 स्थित पीजीव्ही कॉलेज जीवाजीगंज क्षेत्र में इस कार्यक्रम के तहत पहुँचे। इस दौरान उन्होंने लोगों से घर-घर जाकर सीधा संवाद किया और उनकी तकलीफों का स्थल पर ही यथासंभव समाधान कराया। इस दौरान कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने नाराजगी जताई और नगर निगम के अधिकारियों को यहां की सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थानीय निवासियों से कहा कि स्वच्छता स्वस्थ जीवन का पहला कदम है। अपने घर-प्रतिष्ठान के आस-पास के क्षेत्र को साफ रखें, ग्वालियर को हरा-भरा बनाएं। स्वच्छ हाथ, स्वस्थ शरीर के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं। श्री तोमर ने कहा कि धूल-मिट्टी को साफ़ करने के लिए हमें स्वयं झाड़ू उठाकर स्वच्छता अभियान को पूरे ग्वालियर के लिए एक जन-आंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने नारा लगाया कि "न गंदगी करेंगे, न करने देंगे।" ऊर्जा मंत्री ने लोगों को स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया और हर एक से यह अनुरोध किया कि वो अन्य लोगों को इस पहल में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शुक्रवार 01 मई को सुबह 9 बजे उप नगर ग्वालियर के वार्ड 36 स्थित पीजीव्ही कॉलेज जीवाजी गंज मुख्य द्वार पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा बिजली, पानी, सीवर, साफ-सफाई से सम्बन्धित शिकायतों का समाधान निर्धारित समय-सीमा में करने के निर्देश दिए।

चंबल में अवैध रेत खनन पर सख्ती : उच्चतम न्यायालय के दल ने चम्बल नदी पर किया निरीक्षण

मुरैना, (आरएनएस)। मप्र के मुरैना अंचल में चंबल नदी क्षेत्र के वन्य जीव संरक्षण के लिए रेत उत्खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद बड़े पैमाने पर अवैध खनन जारी है, जिसे लेकर मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट की सख्त नाराजगी के बाद केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) की टीम निरीक्षण के लिए शुक्रवार को मौके पर पहुंची।उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के दल ने चंबल नदी की तलहटी में रेत के अवैध उत्खनन का गहन निरीक्षण किया । इस अवसर पर मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के प्रशासन, पुलिस व वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। शुक्रवार को चंबल नदी के राजघाट पर रेतघाट से दोनों और मोटर वोट से जाकर अवलोकन किया।उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्मित की गई सीईसी कमेटी के सदस्य चंद्रप्रकाश गोयल अपने साथियों के साथ मुरैना पहुंचे। सभी ने संयुक्त रूप से चंबल नदी का भ्रमण किया। रेत का खनन व परिवहन को रोकने के लिए अधिकारियों से चर्चा भी की।चंबल नदी के रेतघाट का अवलोकन करने के पश्चात तीनों राज्यों के समीक्षा बैठक देवरी घड़ि?याल अभ्यारण केंद्र पर हुई। यह बैठक लगभग दो घंटे तक चली। इसमें शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग के बल प्रमुख सहित स्थानीय प्रशासन पुलिस व वन अधिकारी भी शामिल हुए।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों को उपलब्ध कराए गए श्रमिक कार्ड

श्रम सप्ताह के तहत ग्वालियर जिले में श्रमिकों के सम्मान में आयोजित हुए विशेष कार्यक्रम

ग्वालियर (आरएनएस) अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान एवं समग्र कल्याण के उद्देश्य से ग्वालियर जिले में 23 अप्रैल से 1 मई तक श्रम सप्ताह मनाया गया। इस अभियान के तहत संबल योजना में लगभग 7,638 पंजीयन आवेदनों का निराकरण किया गया तथा 2,700 से अधिक नए पंजीयन जारी किए गए। इस अवधि के दौरान जिले के समस्त जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकाय कार्यालयों में विभिन्न विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन पेंशन योजन के अंतर्गत भी जिले में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई। श्रम सप्ताह के दौरान एक सप्ताह में 812 नए पंजीयन आवेदन कराए गए, जो श्रमिकों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। श्रमिक दिवस पर आयोजित हुए कार्यक्रमों में पंजीयन कार्डों का वितरण जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में श्रमिकों को सम्मानपूर्वक किया गया। कार्यक्रमों में श्रमिकों के बीच उत्साह एवं संतोष का वातावरण देखने को मिला।श्रम सप्ताह के अंतर्गत श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही पंजीयन एवं हितलाभ वितरण के लिए विशेष अभियान चलाया गया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास जारी रहें। साथ ही श्रमिकों को शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

घुघरी विकासखण्ड के अन्तर्गत टिकरा टोला में गहराया जल संकट

- ग्रामीण रात 2 बजे से पानी भरने को मजबूर; गोद में बच्चे लेकर पहुंच रहीं महिलाएं

मण्डला (ए.)। मंडला जिले के घुघरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चलनी के टिकरा टोला में भीषण जल संकट गहरा गया है। यहां ग्रामीण पीने के पानी के लिए प्रतिदिन संघर्ष कर रहे हैं। महिलाएं सिर पर बर्तन रखकर और पीठ पर छोटे बच्चों को लेकर आधा किलोमीटर दूर स्थित कुएं से पानी लाने को मजबूर हैं। पहाड़ी पर बसे टिकरा टोला में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, मोहल्ले में लगे पांच हैंडपंपों में से अधिकांश खराब हो चुके हैं या सूख गए हैं। कुछ से केवल बूंद-बूंद पानी निकल रहा है, जिससे कुआं ही एकमात्र पेयजल स्रोत बचा है। पानी की गंभीर कमी के कारण, महिलाएं रात 2 बजे से ही कुएं पर पानी भरने के लिए पहुंच जाती हैं। सुबह होते-होते वहां लंबी कतार लग जाती है। ग्रामीण देर शाम तक पीने और मवेशियों के लिए पानी भरते रहते हैं। कुएं के खुले पानी में जलीय कीड़े भी तैरते देखे जा सकते हैं, जिसे ग्रामीण मजबूरी में उपयोग कर रहे हैं। ग्रामीण मनिया बाई, शिव कुमार परते और बृहस्पति मरावी ने बताया कि गांव में नल-जल योजना शुरू करने की मांग कई बार की जा चुकी है। इस समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण 90 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय तक जनसुनवाई में आवेदन देने पहुंचे, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी है, क्योंकि जिले में करोड़ों रुपये की जल जीवन मिशन योजनाएं चल रही हैं, फिर भी उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इस संबंध में पीएचई विभाग के ईई मनोज भास्कर ने कहा कि कुएं की सफाई कराई जाएगी और पंचायत के साथ समन्वय स्थापित कर पेयजल व्यवस्था में सुधार का प्रयास किया जाएगा।

अपर आयुक्त ने की जलकर वसूली की समीक्षा

ग्वालियर (ए.)। अपर आयुक्त प्रदीप तोमर ने जलकर वसूली की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान वर्ष के साथ-साथ ही गत वर्ष के जलकर उपभोक्ताओं से वसूली अभियान में तेजी लाएं।बैठक में कार्यपालन यंत्री संजीव गुप्ता, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल भवन के एक्यूआई सेंटर में आयोजित बैठक के दौरान अपर आयुक्त श्री तोमर ने वार्डवार जलकर की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से नवीन नलकूप कनेक्शन की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में अपेक्षित संख्या में नए कनेक्शन नहीं किए गए। उन्होंने शहर की विभिन्न कॉलोनियों में बन रही बड़ी मल्टी स्टोरी इमारतों एवं चार मंजिला भवनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिना वैध बोरवेल अथवा नलकूप कनेक्शन के निर्माण कार्य किया जाना नियमों के विरुद्ध है।

उज्जैनः महाकाल मंदिर के पास टनल निर्माण के दौरान खुदाई में निकला शिवलिंग, पुजारियों ने किया पूजन

उज्जैन (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर परिसर के पास शुक्रवार सुबह टनल निर्माण के लिए खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिवलिंग मिलने से क्षेत्र में आस्था और उत्सुकता का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही मंदिर के पुजारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने विधि-विधान से शिवलिंग का पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए जमा हो गए। जानकारी के अनुसार, उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के सामने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए गेट नंबर-4 के पास टनल और वेटिंग हॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। शुक्रवार सुबह यहां खुदाई के दौरान पोकलेन मशीन ऑपरेटर को मिट्टी के साथ एक शिवलिंग दिखाई दिया। इसके बाद तुरंत साइट इंजीनियर और मंदिर प्रशासन को सूचना दी गई। घटना के बाद ऐहतियातन खुदाई का काम रोक दिया गया।मंदिर के पुजारियों ने मौके पर पहुंचकर शिवलिंग का पूजन-अर्चन किया और फिलहाल उसे उसी स्थान पर सुरक्षित रखवाया गया है। खबर फैलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ मौके पर जुटने लगी और दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया।साइट इंजीनियर सतीश राजपूत ने बताया कि खुदाई के दौरान शिवलिंग के साथ अन्य प्राचीन अवशेष मिलने के संकेत भी हैं। उन्होंने बताया कि नंदी की प्रतिमा जैसे अवशेष भी हो सकते हैं, जिसकी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि मई 2020 में भी महाकाल मंदिर विस्तार कार्य के दौरान खुदाई में एक प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले थे। उस समय 25-30 फीट नीचे खुदाई में शिवलिंग, नंदी, गणेश, मां चामुंडा और अन्य मूर्तियां मिली थीं। पुरातत्व विशेषज्ञों ने इन्हें करीब एक हजार वर्ष पुराना, परमारकालीन बताया था।

कान्हा में केनाइन डिस्टेंपर वायरस से बाघों की मौत

– 9 दिनों में बाघिन और 4 शावकों की जान गई; फॉरेंसिक जांच में खुलासा

मण्डला (ए.)। कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघिन और उसके चार शावकों की मौत की गुत्थी सुलझ गई है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में इन मौतों का कारण घातक केनाइन डिस्टेंपर वायरस (CDV) संक्रमण बताया गया है। कान्हा के डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि जबलपुर स्थित स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ में हुए परीक्षणों में वायरस के संकेत मिले हैं।जानकारी के अनुसार, यह घटनाक्रम सरही परिक्षेत्र की बाघिन ज्ञ-141 और उसके परिवार से जुड़ा है। बाघिन के तीन शावकों की मौत 21 से 25 अप्रैल के बीच हुई थी। इसके बाद गंभीर रूप से बीमार बाघिन और उसके एकमात्र बचे शावक को रेस्क्यू कर मुक्की क्वॉरेंटाइन सेंटर में रखा गया, लेकिन 29 अप्रैल को दोनों ने दम तोड़ दिया। केनाइन डिस्टेंपर वायरस एक संक्रामक बीमारी है जो मुख्य रूप से जंगली मांसाहारी जीवों के श्वसन, पाचन और तंत्रिका तंत्र को निशाना बनाती है।

व्यापार समाचार

मई की शुरुआत में आम आदमी को बड़ा झटका, 993 रुपये महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली (आरएनएस)। मई महीने की शुरुआत के साथ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, आम घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 993 तक की बड़ी बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद दिल्ली में इसका दाम 2,078.50 से बढ़कर 3,071.50 हो गया है।अन्य महानगरों में भी कीमतों में इसी तरह का उछाल देखा गया है। कोलकाता में सिलेंडर 994 महंगा होकर 3,202 का हो गया है, जबकि पहले इसकी कीमत 2,208 थी। मुंबई में अब यह 3,024 में मिलेगा, जो पहले 2,031 का था। चेन्नई में भी कीमत बढ़कर 3,237 हो गई है, जो पहले 2,246.50 थी।हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम स्थिर बने हुए हैं। दिल्ली में यह अभी भी 913 में उपलब्ध है। इससे मध्यम वर्गीय परिवारों को फिलहाल रसोई खर्च में किसी अतिरिक्त बोझ का सामना नहीं करना पड़ेगा।

शेयर मार्किट में भारी गिरावट से सहमे निवेशक, 4 लाख करोड़ हुए स्वाहा

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में उछाल आने से वैश्विक बाजारों में गिरावट के चलते गुरुवार को भी भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। यह इस हफ्ते का दूसरा कारोबारी सत्र है जब घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव देखने को मिला।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.86 अंकों यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,913.50 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 180.10 (0.74 प्रतिशत) अंक गिरकर 23,997.55 पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 77,014.21 पर खुलकर 77,254.33 का इंट्रा-डे हाई और 76,258.86 का इंट्रा-डे लो बनाया। वहीं निफ्टी50 23,996.95 पर खुलकर 24,087.45 का इंट्रा-डे हाई और 23,796.85 का इंट्रा-डे लो बनाया। इस दौरान व्यापक बाजारों में भी मंदी का रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.98 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.48 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निवेशकों की दौलत में 4.79 लाख करोड़ की कमी

एक कारोबारी दिन पहले यानी 29 अप्रैल 2026 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,68,24,264.807 करोड़ था। आज यानी 27 अप्रैल 2026 को इक्विटी मार्केट का कारोबार बंद होने पर यह 4,63,44,707.30 करोड़ पर आ गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,79,557.507 करोड़ कम हो गई है।

एक दशक में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या में करीब 12,000 गुना उछाल : सरकार

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वत्त मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि भारत के प्रमुख डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने पिछले एक दशक में लेनदेन की मात्रा में लगभग 12,000 गुना की असाधारण वृद्धि दर्ज की है। 11 अप्रैल, 2016 को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेगुलेटरी देखरेख में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा लॉन्च किया गया यूपीआई, भारत के डिजिटल पेमेंट्स इकोसिस्टम की रीढ़ बन गया है।

मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2016-17 में सिर्फ 2 करोड़ ट्रांजैक्शन के मामूली आधार से बढ़कर, इस प्लेटफॉर्म ने वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए।

वैल्यू के मामले में भी, यूपीआई का उभार उतना ही शानदार रहा है। ट्रांजेक्शन की वैल्यू, ऑपरेशन के पहले साल में 0.07 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपए हो गई, जो 4,000 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी है।वॉल्यूम और वैल्यू, दोनों में यह दोहरा विस्तार इस बात को दिखाता है कि यह प्लेटफॉर्म न सिर्फ छोटे रिटेल पेमेंट्स के लिए, बल्कि ज्यादा वैल्यू वाले ट्रांजैक्शन के लिए भी कितना ज्यादा जरूरी होता जा रहा है।

सरकारी आकलन के अनुसार, यूपीआई के पैमाने, इंटरऑपरेबिलिटी और भरोसे ने भारत को डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में एक ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थापित किया है।इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) ने यूपीआई को ट्रांजैक्शन वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम के तौर पर मान्यता दी है, जिससे ग्लोबल फिनटेक परिदृश्य में भारत की स्थिति और मजबूत हुई है।

साल 2025 यूपीआई के विकास के सफर में एक अहम मोड़ साबित हुआ, जब पहली बार मासिक ट्रांजैक्शन वॉल्यूम 2,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर गया।अगस्त 2025 में, ट्रांजैक्शन 2,001 करोड़ तक पहुंच गए, और यह रफ्तार पूरे साल जारी रही, जिसका नतीजा दिसंबर में 2,163 करोड़ ट्रांजैक्शन के रिकॉर्ड के रूप में सामने आया। कुल मिलाकर, यूपीआई ने कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान लगभग 22,000 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए, जिनका औसत लगभग 60 करोड़ ट्रांजैक्शन प्रतिदिन रहा। यह यूजर्स के बीच इसकी गहरी पहुंच और व्यापक भरोसे का एक संकेत है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.03 पर पहुंचा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसारन ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 122 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत का आयात खर्च बढ़ने की आशंका है। वहीं पश्चिम एशिया में संभावित व्यापक संघर्ष की चिंताओं ने निवेशकों की बेचैनी बढ़ा दी है जिससे डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर और दबाव पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में फिसलकर 95.20 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 98.96 पर रहा।

तेलंगाना : डीएफएस ने बैंकों को फर्जी खातों का पता लगाने के लिए एआई टूल अपनाने का निर्देश दिया

नई दिल्ली,(आरएनएस)। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव ने गुरुवार को बैंकों को निर्देश दिया कि वे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित म्यूलहंटर डॉट एआई टूल को जल्द से जल्द अपनाएं ताकि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल फर्जी खातों की समय पर पहचान की जा सके और उन्हें रोका जा सके। सचिव ने हैदराबाद के पुलिस आयुक्त और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, केंद्रीय जांच ब्यूरो, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय डिजिटल भुगतान अवसंरचना कंपनी और बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी खातों के बढ़ते उपयोग की समीक्षा की गई।हाल ही में हैदराबाद पुलिस द्वारा चलाए गए ऑपरेशन ऑक्टोपस और उससे प्राप्त सीखों पर चर्चा केंद्रित रही। डीएफएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि साइबर-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने और ग्राहक सुरक्षा बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयासों को मजबूत करने पर जोर दिया गया।बैठक में ऑपरेशन ऑक्टोपस के तहत डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी का पता लगाने और उसे रोकने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों और बैंकों के बीच घनिष्ठ सहयोग, वास्तविक समय में खुफिया जानकारी साझा करने, और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र पर बल दिया गया।

GST कलेक्शन ने तोड़े इतिहास के सारे रिकॉर्ड, अप्रैल में हुई 2.43 लाख करोड़ की बंपर कमाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अप्रैल 2026 का महीना एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस बार अपने पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। सरकार के खजाने में अप्रैल महीने में 2.43 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि जमा हुई है। यह न सिर्फ अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन है, बल्कि पिछले साल के मुकाबले भी इसमें शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस ऐतिहासिक बढ़त के पीछे सिर्फ घरेलू बाजार की मांग ही नहीं, बल्कि आयात से होने वाली बंपर कमाई का भी सबसे बड़ा योगदान रहा है।

आंकड़ों में लगाई छलांग, 8.7 प्रतिशत की हुई शानदार वृद्धि

सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो अप्रैल 2026 में कुल जीएसटी कलेक्शन 2.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो बीते मार्च महीने के 2 लाख करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। अगर पिछले साल से इसकी तुलना करें तो अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 2.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह सालाना आधार पर करीब 8.7 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, नेट जीएसटी रेवेन्यू 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 7.3 प्रतिशत ज्यादा है।इस बार के जीएसटी कलेक्शन में सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सबसे बड़ा योगदान आयात से मिला है। इंपोर्ट से जुड़े जीएसटी रेवेन्यू में 25.8 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है और यह 57,580 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके मुकाबले घरेलू कारोबार से मिलने वाला राजस्व सिर्फ 4.3 प्रतिशत बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये ही रहा। इन आंकड़ों से साफ है कि सरकार की कुल कमाई में इस बार घरेलू मांग से ज्यादा इंपोर्ट का बड़ा रोल रहा है।

टैक्स कलेक्शन में हुए इस भारी इजाफे के पीछे वैश्विक हालात भी एक बड़ी वजह रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर इन जीएसटी आंकड़ों पर देखने को मिला है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दूरगामी परिणाम झेलने तैयार रहना चाहिए

आरबीआई ने जो कहा है, उसका सार है कि पश्चिम एशिया में युद्ध से सप्लाई श्रृंखला बाधित हो गई है, जिसके दूरगामी परिणाम झेलने के लिए सबको तैयार रहना चाहिए। बैंक ने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। महंगाई की तगड़ी मार फिर आ पड़ी है, जबकि अर्थव्यवस्था के सारे गुलाबी अनुमान गड़बड़ाते दिख रहे हैं- भारतीय रिजर्व बैंक ने जो कहा है, उसका यही सार है। संदेश यह है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने सप्लाई श्रृंखला को बाधित रखा दिया है, जिसके दूरगामी परिणाम झेलने के लिए सबको तैयार हो जाना चाहिए। बुधवार को अपनी मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.9 से घटा कर 6.7 प्रतिशत कर दिया, जबकि मुद्रास्फीति दर के पांच प्रतिशत तक पहुंचने की आशंका जता दी। इसके अलावा आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अर्थव्यवस्था पर मंडरा रहे पांच जोखिमों का जिक्र किया। इनके मुताबिक होरमुज जलमार्ग में आई रुकावट के कारण कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, उर्वरक आदि की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, जिसका असर घरेलू उत्पादन पर पड़ेगा। खाड़ी क्षेत्र के प्रभावित होने की वजह से मालवाही जहाजों को लंबे समुद्री रूट लेने पर पड़ रहे हैं, जिससे माल भाड़े और माल डिलिवरी के समय में इजाफा हुआ है। मल्होत्रा ने चेताया कि जो शुरुआत में जिसे आपूर्ति झटका समझा गया है, मध्यम अवधि में वह मांग झटके में तब्दील हो सकता है। आपूर्ति बाधा से चीजें महंगी होंगी, जिससे बाजार में उनकी मांग घटेगी।दरअसल, एमएमसीजी कंपनियों की मार्च की रिपोर्ट से संकेत मिला है कि असल महंगाई रिजर्व बैंक के अनुमान से भी ज्यादा बढ़ने वाली है। इसके मुताबिक कच्चे तेल और अन्य इनपुट सामग्रियों की लागत में बढ़ोतरी के कारण इन कंपनियों ने मार्च में अपने उत्पादों की कीमत 7 से 8 फीसदी तक बढ़ा दी। जानकारों के मुताबिक वैश्विक तनाव जारी रहा, तो आने वाले महीनों में कीमतें 10 से 15 प्रतिशत तक और बढ़ सकती हैं। साथ ही रिजर्व बैंक ने आगाह किया है कि उर्वरकों की कमी का असर कृषि पैदावार पर पड़ेगा, जिससे खाद्य संकट खड़ा हो सकता है। आयात महंगा होने और पूंजी के बाहर जाने के कारण रुपया पहले से झटके खा रहा है। यानी संकट गहरा है, जिसका कोई समाधान सरकार के पास नहीं है।

(विचार-मंथन) एग्जिट पोल पर प.बंगाल में घमासान

-सनत जैन

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में एसआईआर से लेकर मतदान होने तक चुनाव आयोग, भारतीय जनता पार्टी तथा टीएमसी के बीच में लगातार टकराव देखने को मिला है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव आयोग चुनाव करा रहा है, उसकी चर्चा संपूर्ण भारतवर्ष में हो रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के चुनाव को लेकर जिस तरह से हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल तक मतदाता और टीएमसी अपनी लड़ाई लड़ रही है। ऐसी स्थिति इसके पहले कभी नहीं देखी गई। तार्किक विसंगित के नाम पर पश्चिम बंगाल में पहली बार चुनाव आयोग ने एक करोड़ से अधिक मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर कर दिया था। उसके बाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद अभी भी 62 लाख मतदाताओं को मतदान का अधिकार नहीं मिला। इसको लेकर पश्चिम बंगाल में पिछले कई महीनो से मतदाताओं और राजनीतिक दलों के बीच में तनाव है। चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल को लेकर जो नए-नए नियम बना रहा है। उसको लेकर भी बार-बार टीएमसी को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाकर लड़ाई लड़नी पड़ी है। चुनाव आयोग के मामले में न्यायपालिका का रुख हस्तक्षेप करने का नहीं होने से, टीएमसी को न्यायपालिका से जो राहत मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। उल्टे मतदाताओं के दस्तावेजों का परीक्षण करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ट्रिब्यूनल बनाकर, न्यायपालिका ने न्यायिक अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी। उसके बाद भी मतदाता मतदान करने से वंचित रहे। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, जो पश्चिम बंगाल में हुआ है। रही-सही कसर अब एग्जिट पोल के माध्यम से पूरी होती हुई दिख रही है। राष्ट्रीय चैनल और कुछ ऐसी सर्वे एजेंसी है, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सरकार एग्जिट पोल में पश्चिम बंगाल में बना दी है। भाजपा को 190 सीटों पर जीत मिलने का दावा एग्जिट पोल में किया गया, जो जमीनी हकीकत के विपरीत है। पश्चिम बंगाल के दो बांग्ला चैनलों ने भी एग्जिट पोल किया। उसमें 161 सीटें टीएमसी को और भाजपा को 71 सीटें तथा 49 सीटों पर कांटे की टक्कर बताई गई। आनंद बाजार पत्रिका समूह के बांग्ला न्यूज़ चैनल ने टीएमसी को 177 से लेकर 187 सीटें मिलने का अनुमान जताया। वहीं भारतीय जनता पार्टी को 100 सीटे मिलने की संभावना जताई है। एग्जिट पोल में भारी अंतर होने तथा जमीनी हकीकत के विपरीत एग्जिट पोल आने से पश्चिम बंगाल में घमासान शुरू हो गया है। चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर टीएमसी बार-बार सवाल खड़े करती रही है। ऐसी स्थिति में मतगणना के पहले टीएमसी ने फार्म 17 का रिकॉर्ड अपने सभी बूथ एजेंट से मंगा लिया है। टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के सभी बूथ में उपयोग में लाई गई ईवीएम मशीन, उनके सीरियल नंबर तथा शुरू और अंतिम मत संख्या का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार कर लिया है। मतगणना स्थल पर टीएमसी के सभी मतगणना एजेंटों को सूची उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि मतगणना के समय किसी किस्म की गड़बड़ी ना हो। पहली बार पश्चिम बंगाल में इस तरह की तैयारी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने की है। भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत का आरोप टीएमसी हर स्तर पर लगाती आ रही है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान टीएमसी के एजेंट किसी भी किस्म की गड़बड़ी रोकने के लिये सजग होंगे। एग्जिट पोल ने एक तरह से मतगणना के पहले आग में घी डालने का काम किया है। भाजपा और चुनाव आयोग को लेकर टीएमसी आक्रामक है। वहीं ममता बनर्जी और टीएमसी के ऊपर चुनाव आयोग और भाजपा आक्रामक है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान और मतगणना के पश्चात किस तरह के हालात प. बंगाल में बनेंगे, इसको लेकर अभी से तरह-तरह की चिंता व्यक्त की जाने लगी है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी का गांव-गांव तक केडर है। इस बार टीएमसी ने भाजपा चुनाव आयोग से लड़ने की पूरी तैयारी की है। ऐसी स्थिति में मतगणना के दौरान चुनाव आयोग को सजग होने की जरूरत है। गड़बड़ी होने की स्थिति में पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था को संभालना बहुत मुश्किल होगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए चुनाव आयोग को मतगणना और परिणाम घोषित करने में पारिदर्शिता एवं निष्पक्षता से हो, इसका प्रयास करना होगा। ताकि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति सही बनी रहे। चुनाव आयोग ने अभी तक बूथ-विधानसभा में हुए मतदान के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किये हैं। जिसके कारण चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर राजनैतिक दलों का चुनाव आयोग पर विश्वास खत्म होता जा रहा है। चुनाव आयोग पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सभी दलों के साथ सहयोग करेगा। तभी चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बढ़ेगी। चुनाव आयोग पूर्व की भांति मतदाता सूची से लेकर मतदान और मतगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करना आवश्यक है। चुनाव आयोग को गंभीरता से इस पर विचार करने की जरूरत है।

(चिंतन-मनन) आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई।एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

नन्हे कदम गढ़ेगें सशक्त भारत का भविष्य- आंगनबाड़ी केंद्रों का नया रुप, नई दिशा

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

देश का भविष्य जिन नन्हे कदमों से आगे बढ़ता है, वे आज आंगनबाड़ी केंद्रों में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और मुस्कान के साथ संवर रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्र कभी केवल पोषण और देखभाल तक सीमित माने जाते थे, वे अब प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और ग्रामीण रोजगार के समन्वित मॉडल के रूप में विकसित हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ के जशपुर, सूरजपुर, रायगढ़, महासमुंद, धमतरी, मुंगेली और नारायणपुर जैसे जिलें में दिख रहा यह सकारात्मक बदलाव अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रेरणास्त्रोत बन रहा है।

भवन ही बन गया शिक्षक : 'बिल्डिंग ऐज़ लर्निंग एड' की अभिनव पहल

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से निर्मित आधुनिक आंगनबाड़ी भवनों ने सीखने के साधन के रूप में भवन की अवधारणा को साकार रूप दिया है। लगभग 11.69 लाख रुपए की लागत से बने इन भवनों में दीवारों, फर्श, सीढ़ियों और खुले स्थानों को शिक्षण सामग्री के रूप में विकसित किया गया है। रंग-बिरंगी चित्रकारी के माध्यम से बच्चों को हिंदी-अंग्रेजी वर्णमाला, अंक, आकृतियाँ, दिशाएँ, जीव-जंतु और स्थानीय परिवेश की जानकारी सहजता से मिल रही है। अब हर दीवारें बोलती हैं, हर कोना सिखाता है आंगनबाड़ी स्वयं एक जीवंत पाठशाला बन गई है।

हरी खाद-खेती में बढ़ेगा उत्पादन, मिट्टी की सेहत होगी बेहतर

धनंजय राठौर

आज के दौर में टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना समय की मांग है। रसायनों के बोझ तले दबती मिट्टी को राहत देने के लिए हरी खाद एक बेहतरीन समाधान बनकर उभरी है। यह न केवल फसलों की पैदावार बढ़ाती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जमीन की उर्वरता को भी सुरक्षित रखती है। मिट्टी बचेगी, तो किसान बचेगा और किसान बचेगा, तो देश समृद्ध होगा।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती में हरी खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और उत्पादन में सुधार लाने में मदद मिल सके। विभाग के अनुसार धान के खेतों में लगातार रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग से मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्म जीवों की गतिविधियां कम हो रही हैं और मिट्टी की संरचना भी प्रभावित हो रही है।

क्या है हरी खाद?

हरी खाद वह सहायक फसल है जिसे मुख्य फसल बोने से पहले खेत में उगाया जाता है और फूल आने की अवस्था में ही उसे हल चलाकर मिट्टी में दबा दिया जाता है। ढैंचा, सनई, लोबिया, मूंग और उड़द जैसी फसलें हरी खाद के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती हैं। हरी खाद के तहत कई फसलों का उपयोग किया जाता है जिनमें दलहनी और बिना दलहनी फसलें शामिल होती हैं। हरी खाद के लिए झाड़ियों और पेड़ों की पत्तियों, टहनियों को भी उपयोग में ला सकते हैं, लेकिन इसके लिए विशेष रूप से ढैंचा फसलों का उपयोग किया जाता है। इन फसलों को खेतों में लगाकर भूमि में सुधार किया जाता है।

मिट्टी की सेहत में सुधार

हरी खाद का सबसे बड़ा प्रभाव मिट्टी की भौतिक और रासायनिक संरचना पर पड़ता है। यह मिट्टी में नाइट्रोजन और कार्बनिक पदार्थों (ह्यूमस) की मात्रा को तेजी से बढ़ाती है। हरी खाद मिट्टी को भुरभुरा बनाती है, जिससे हवा का संचार बढ़ता है और पौधों की जड़ें गहराई तक जा पाती हैं। इसके उपयोग से मिट्टी की पानी सोखने की शक्ति बढ़ जाती है, जो सूखे के समय फसलों के लिए जीवन रक्षक साबित होती है।

उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी

जब मिट्टी स्वस्थ होती है, तो उत्पादन का बढ़ना निश्चित है। हरी खाद के प्रयोग से पैदावार में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा सकती है। यूरिया और अन्य रासायनिक खादों पर निर्भरता कम हो जाती है, जिससे किसान की फसल की लागत घटती है। मित्र कीटों से फसल का संरक्षण करता है। यह जमीन के भीतर लाभकारी सूक्ष्मजीवों और केंचुओं की संख्या बढ़ाने में मदद करती है।

हरी खाद बनाने की सही विधि

क्षेत्र की जलवायु के अनुसार सनई या ढैंचा का चुनाव करें। बुवाई का समय मानसून की शुरुआत (जून-जुलाई) इसके लिए सबसे उपयुक्त है। जब फसल लगभग 40-50 दिन की हो जाए और उसमें फूल आने लगें, तब उसे पाटा लगाकर या रोटावेटर की मदद से मिट्टी में मिला दें। पलटने के बाद 10-15 दिनों तक खेत में नमी बनाए रखें ताकि खाद अच्छी तरह सड़कर मिट्टी का हिस्सा बन जाए।

हरी खाद के प्रयोग से बढ़ेगी आय

हरी खाद केवल एक उर्वरक नहीं है, बल्कि यह मिट्टी का उपचार है। यदि किसान हर दूसरे या तीसरे साल अपने खेत में हरी खाद का प्रयोग करें, तो न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि हम समाज को रसायनों से मुक्त, शुद्ध और पौष्टिक अनाज भी उपलब्ध करा पाएंगे।

कृषि के लिए एक वरदान हरी खाद

हरी खाद का उपयोग कृषि के लिए एक ष्वरदानष् के समान है। वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो रही है ऐसे में हरी खाद प्राकृतिक तरीके से मिट्टी को पुनर्जीवित करने का सबसे सुलभ विकल्प है।

मेष राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज नौकरी अथवा व्यवसाय में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करे दूसरों के भरोसे काम नहीं छोड़ें। किसी से लिए रुपए को जल्द से जल्द चुकता कर दें। अपने वैवाहिक जीवन में आज ख़ास पल बितायेंगे।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए स्पेशल रहेगा। दांपत्य रिश्ते में चल रही अनबन आज खत्म होगी, एक-दूसरे के साथ रिश्ते में नयी शुरुआत करेंगे। बच्चे आज बेहद खुश रहेंगे, क्योकि माता-पिता उनकी डिमांड आज पूरी कर देंगे। जो लोग प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे है, वे अपने लक्ष्य पर ध्यान दें, जल्द ही सफलता मिलने के योग हैं।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। ऑफिस के रुके कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। आज शांत मन से निर्णय लेना बेहतर रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज बेटे की किसी परीक्षा का रिजल्ट उसके फेवर में आयेगा। हाई शुगर लेवल की समस्या से परेशान लोग आज अपने खान-पान में परहेज रखें।

कर्क राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके निजी जीवन की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, जिन्हें आप बखूबी पूरा करेंगे। आपका किसी बिजनेस मीटिंग में परफॉर्मेंस अच्छा रहेगा और आसपास के लोग आपसे प्रभावित होंगे जिससे आपको बहुत बड़ा फायदा भी होगा। आज किसी काम में उलझने से बचने के लिए किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता अवश्य लें। पारिवारिक जीवन में सौहार्द बढ़ेगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके सामान्य रहेगा। आपने खर्च को नियंत्रित करके आप अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर कर सकते है। आज आपको कोर्ट कचहरी के मामलों से संभलकर रहने की जरूरत है। आपको अपने कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि- आज आपका दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। दोस्तों के साथ मिलजुल कर रहे। जरूरत पड़ने पर आपको मदद लेनी पड़ सकती है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी।काफी समय से सोची चीज आज खरीद सकते हैं। आप अपने खाली समय का सदुपयोग नई चीज़े सीखने में करें, जो आपकी उन्नति में योगदान देगा।

तुला राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज हैवी ट्रैफिक की वजह से आपको ऑफिस के लिए लेट हो सकता है। आय की तुलना में व्यय की मात्रा अधिक रहेगी। आज आपके विचारों में सकारात्मक बदलाव आयेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं या मशीनरी के लिए खर्च की संभावना अधिक रहेगी । आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जिस भी कार्य को करने का सोचेंगे उसमें सफलता जरूर मिलेगी। पिता आपके जिम्मेदार व्यक्तित्व को देखकर गर्व महसूस करेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपकी इनकम के हिसाब से खर्चे बढ़ेंगे। कार्यों में आ रही रुकावटें आज समाप्त होंगी। आज माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान देने की जरूरत है। आज बच्चे अपने मन की बात अपनी माँ से शेयर करेंगे, तो उनको अपनी परेशानी का हल मिल जायेगा। जिससे उनका मन काफी खुश होगा।

धनु राशि- आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञ सामाजिक कार्यों में रूचि लेंगे। आज नई शुरुआत करने अथवा नौकरी में परिवर्तन के मामले में आप गंभीरता से विचार करेंगे। आज दोस्तों के साथ किसी रेस्टोरेंट में जाने का प्लान बनेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। बड़े भाई की सहायता से काम को जल्द और आसानी से पूरा कर लेंगे। आपके घर के वातावरण में सुख समृद्धि बढ़ेगी। प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री से जुड़ा काम आज फाइनल हो जायेगा। आपकी अधिक इनकम से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी जो आपके व्यापार में लाभ करायेगा।

कुंभ राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज कुछ नया करने की सोचेंगे। अगर आप प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो मेहनत करते रहे। आपको सफलता जरूर मिलेगी। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी।

मीन राशि- आज आपका दिन मिलीजुली प्रतिक्रिया से भरा रहेगा। आज किसी बात से आप बेहद खुश होंगे। सिंगर्स को किसी एल्बम की प्रसिद्धि के लिए सम्मानित किया जायेगा। अगर आप प्रेजेंटेशन तैयार कर रहे हैं, तो ध्यानपूर्वक करें। इस राशि के लोगों को काम के साथ स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना चाहिए।

एंग्जाइटी से बचने के लिए ध्यान जरुरी

- संजय गोस्वामी /

आजकल एंग्जाइटी के रोग बढ़ने लगे है एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर से पीडित व्यक्ति हर वक्त डरा रहता है, उसे घबराहट महसूस होती है और उसके हाथ पैर कांपने लगते हैं। उसे नींद न आने की परेशानी होने लगती है और उसे लगातार पसीना भी आता है। धीरे धीरे धीरे ये सभी लक्षण इतने आम हो जाते हैं कि व्यक्ति एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर का शिकार हो जाता हैजब भी डर लगता है तो एंग्जाइटी रोग उत्पन्न होता है। यह या तो किसी गलत कार्य के कारण होता है या फिर क़ोई बुरी घटना के कारण होता है मैं यह नहीं जानता हूं यह डर क्या एक अविद्या है। क्योंकि डर में आपका विवेक ख़त्म होने लगता है और दवा से यह और भी खतरनाक हो जायेगा क्योंकि दवाई कुछ देर के लिए राहत तो देती है लेकिन डॉ का चक्कर से बीमारी और भी बढ़ जाती है इसलिए ध्यान जरुरी है इसमें क्या *मैं हूं* यह जान सकता हूं और संसार में कैसे कैसे लोग हैं जो कुछ सकारात्मक विचार रखते हैं लेकिन आधे से अधिक नकारात्मक और बीमारी को गंभीर बना देते है इसलिए पहले डर को ख़त्म कर अपने मन को नियंत्रण करना सीखे। जो भी जाना, सुना जाता है वह बुद्धि द्वारा होता है और मेरे से अलग होता है। अन्ताकरण-मन जड़-चेतन मिश्रित है। जड़-चेतन की जो ग्रंथि है यह केवल ज्ञान से दूर होती है और जब होगी तो ऐसे होगी जैसे अनन्त काल का अंधेरा एक वत्ती जलाने से दूर हो जाता है। ऋतेज्ञानान्नामुक्ति कहा है। इसके लिए भगवान राम का ध्यान जो शीशे जैसा बिल्कुल साफ और दया के सागर हैं और सत् चित् आनन्दघन परमात्मा राम की उपासना का बहुत बड़ा महत्व होता है। ऐसे मैंने सुना है व पढ़ा भी है। भौतिक विज्ञान की दुनिया में एक बेहद रहस्यमयी लेकिन पूरी तरह प्रमाणित सच्चाई है, जिसे प्रेक्षक प्रभाव कहा जाता है। जब हम सूक्ष्म कणों को नहीं देख रहे होते हैं, तो वे एक ऊर्जा की तरंग की तरह व्यवहार करते हैं, जो एक ही समय में कई जगहों पर फैली होती है। लेकिन विज्ञान का सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि जैसे ही हम उन्हें देखने या मापने की कोशिश करते हैं, उनका व्यवहार तुरंत बदल जाता है। ठीक उसी पल में वे तरंग से बदलकर एक निश्चित स्थान पर मौजूद ठोस कण बन जाते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि केवल हमारी देखने या ध्यान केंद्रित करने की क्रिया ही सूक्ष्म स्तर पर वास्तविकता के रूप को तय करती है। यह हमारे ब्रह्मांड के सबसे गहरे और प्रमाणित वैज्ञानिक नियमों में से एक है।आसान भाषा में माया इसी को कहते हैं द्य अध्यारोपापवाद (अध्यारोप + अपवाद = पहले अध्यारोप, फिर अपवाद (हटाना)) अद्वैत वेदांत में आत्मतत्व के उपदेश की वैज्ञानिक विधि। ब्रह्म के यथार्थ रूप का उपदेश देना अद्वैत मत के आचार्य का प्रधान लक्ष्य है। ब्रह्म है स्वयं निष्प्रपंच और इसका ज्ञान बिना प्रपंच की सहायता के किसी प्रकार भी नहीं कराया जा सकता है अद्वैत 'अध्यारोप-अपवाद' तक पहुँचकर रुक जाता है। वहाँ अनुभव को 'अविद्या' कहकर नकार दिया जाता है, पर यह स्पष्ट नहीं किया जाता कि कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव किसकी सत्ता में घटित हो रहा है। यदि अविद्या का आश्रय शुद्ध चैतन्य है तो उसकी निष्कलंकता खंडित होती है; और यदि नहीं है, तो अविद्या का अस्तित्व ही असिद्ध हो जाता है। 'अनिर्वचनीय' कहना इस विरोध को टालना है, सुलझाना नहीं। कैवल ज्ञान के अनुसार कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान न ब्रह्म के हैं, न मिथ्या अध्यास के—वे अंश-वृत्ति की वास्तविक प्रवृत्तियाँ हैं। अंश देह-प्रकृति में रमण करके 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव करता है, जबकि अंशी (कैवलकर्ता) उससे सर्वथा परे, मूल नियंता सत्ता है। अत: अद्वैत जहाँ भेद को नकारता है, वहाँ कैवल ज्ञान भेद के आधार को उद्घाटित करता है। 'नेह नानास्ति किञ्चन' अनुभव की एक अवस्था है, अंतिम सिद्धांत नहीं। जब तक अनुभवकर्ता, उसकी प्रवृत्ति और मूल सत्ता का भेद स्पष्ट नहीं होता, तब तक समाधान अधूरा ही रहता है। यहीं अद्वैत की सीमा है, और यहीं से कैवल ज्ञान का आरम्भ होता है। 'कर्तापन प्रकृति में है' कहना तभी टिकेगा जब अंश का अनुभव भी मिथ्या मानें; पर अनुभव प्रत्यक्ष है, इसलिए उसे केवल 'प्रतीत' कहकर हटाया नहीं जा सकता। जड़ प्रकृति न कर्ता हो सकती है, न भोक्ता। जहाँ 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव है, वहीं कर्तापन-भोक्तापन का वास्तविक आधार मानना पड़ेगा और वह अंश-वृत्ति में ही है। यदि कर्तापन प्रकृति का है, तो भोग भी उसी को होना चाहिए; और यदि भोग अंश में है, तो कर्तापन भी उसी में स्वीकार करना पड़ेगा इन दोनों को अलग नहीं किया जा सकता। अंशी मूलत: अकर्ता, शुद्ध बोध है; उसमें न संकोच-विकास है, न क्रिया। क्रिया, अनुभव और भोग ये सब अंश-वृत्ति के क्षेत्र में ही घटित होते हैं। इसलिए कर्तापन को प्रकृति पर और भोग को अंश पर बाँटना असंगत है। सुसंगत निष्कर्ष यही है: अंशी अकर्ता अधिष्ठान है, और अंश अंश-वृत्ति में वास्तविक कर्ता-भोक्ता है यही कार्य-स्तर का वास्तविक भेद है, न कि मात्र प्रतीत।

अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है , अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है ,जहा सत्ता में भेद हो जाता है वहीं द्वैत भाव आ जाता है और यह भेद व्यवहार कहलाता है,जिसका कारण ब्रह्म की माया ही है जिसको शाक्त सम्प्रदाय शक्ति कहता हैं, असल में शक्ति -शक्तिमान दो नहीं है एक ही तत्व का स्फुरण मात्र है, एक रूप तेरा सकल पसारा। आपहि बनिज आप व्यवहार। कितना सत्य उगल रही यह वाणी अद्वैत के दृष्टिकोण से शक्ति जो ब्रह्म का अंग नहीं उसी का ही रूप है उसके रूप का यह जगत पसारा है या जगत उसी का रूप है, आप अद्वैत होकर भी अपनी ही माया के उपाधि भेद से जगत में सत्ता भेद -द्वैत क्रिडा व्यवहार का खेल खेलते हैं आदरणीय, केवलाद्वैत का सम्मान करते हुए एक मूल प्रश्न उपस्थित है यदि जीवो ब्रह्मैव है, तो जीव में अनुभूत कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का आश्रय किसे माना जाए? उसे ब्रह्म में रखें तो उसकी निर्विकारता प्रभावित होती है, और ब्रह्म से भिन्न मानें तो अद्वैत की व्याख्या कठिन हो जाती है।

भाजपा नेता हत्याकांड पर कोर्ट का बड़ा फैसला, 6 दोषियों को सुनाई मौत की सजा

तिरुवनंतपुरम, (आरएनएस)। केरलम में भाजपा नेता वेंकटेश कुरुबारा की पिछले साल हुई हत्या मामले में प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने 6 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। पुलिस ने बताया कि जज सदानंद नागप्पा नायक ने रवि, विजय उर्फ मैलारी, धनराज, भीमा उर्फ भरत, सलीम और गंगाधर गवली को गुरुवार को सजा सुनाई।कोप्पल के एसपी राम एल. अरसिद्धि ने बताया, इस मामले में पिछले साल 8 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 2 महीने के भीतर ही 11 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी गई।

8 अक्टूबर, 2025 की रात कार सवार बदमाशों ने भाजपा युवा मोर्चा के गंगावती नगर इकाई प्रमुख कुरुबारा की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वे गिर गए। इसके बाद उन पर धारदार हथियारों और लोहे के रॉड से हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। एसपी ने कहा कि अधिकांश दोषियों के खिलाफ कई अन्य मामले भी दर्ज हैं।

कांगड़ा नगर परिषद चुनावों के लिए 15 से अधिक उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किए दाखिल

कांगड़ा ,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में नगर परिषद चुनावों के लिए दूसरे दिन 17 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। कांगड़ा के उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) इशांत जसवाल ने यह जानकारी दी। जसवाल ने पीठासीन अधिकारी के तौर पर काम करते हुए राज्य चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच की। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने का काम दो मई को दोपहर तीन बजे तक जारी रहेगा। नामांकन पत्रों की जांच चार मई को सुबह 10 बजे से शुरू होगी।उम्मीदवार छह मई को सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे के बीच अपने नामांकन वापस ले सकते हैं, जिसके तुरंत बाद उन्हें चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नगर परिषद चुनावों के लिए मतदान 17 मई को सुबह 7 बजे से दोपहर तीन बजे तक होगा, और मतगणना उसी दिन की जाएगी।

ममता बनर्जी को हार का डर, ईवीएम में हेरफेर की बात सिर्फ नाटक : सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता,(आरएनएस)। कोलकाता स्ट्रॉन्ग रूम विवाद पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह उनकी पुरानी आदत का नतीजा है कि जब भी उन्हें चुनाव में माहौल अपने खिलाफ लगता है, तो वे ईवीएम में हेरफेर की आशंकाएं जताने लगती हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, ईवीएम में हेरफेर की आशंकाएं जताना पिछले 15 सालों से उनकी (ममता बनर्जी) आदत का हिस्सा बन गया है। उनके लिए इस पुरानी आदत से छुटकारा पाना नामुमकिन है। इस बार उन्हें अपनी हार का आभास हो रहा है। इसलिए, ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में हेरफेर को लेकर उनका यह नाटक उनके हार के डर का ही प्रतिबिंब है।

नागरिकता नियम 2026 : ओसीआई प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल, आवेदन से लेकर अपील तक हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। गृह मंत्रालय ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित करते हुए 2009 के पुराने नियमों में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत प्रवासी भारतीय नागरिक (OCI) कार्ड से जुड़ी प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बना दिया गया है, जिससे आवेदन, पंजीकरण और अपील की प्रक्रिया अब पहले से अधिक सरल, पारदर्शी और तेज हो जाएगी।

नई व्यवस्था के अनुसार, OCI कार्ड के लिए आवेदन करने और उसे छोड़ने की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगी। पहले जहां कागजी दस्तावेजों की जरूरत होती थी, अब उसे समाप्त कर डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। इसके साथ ही सरकार ने e-OCI सुविधा भी शुरू की है, जिसके तहत आवेदकों को फिजिकल कार्ड के साथ इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण की सुविधा भी दी जाएगी।

राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार, नाबालिग बच्चों से जुड़ा एक अहम नियम भी स्पष्ट किया गया है। अब कोई भी नाबालिग एक साथ भारतीय और किसी अन्य देश का पासपोर्ट नहीं रख सकेगा। पहले यह शर्त केवल घोषणा के रूप में थी, लेकिन अब इसे नियम का हिस्सा बना दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति अपना OCI दर्जा छोड़ता है, तो उसे अपना मूल कार्ड निकटतम भारतीय मिशन, पोस्ट या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (FRO) के पास जमा करना अनिवार्य होगा। इसी तरह, यदि सरकार किसी का OCI दर्जा रद्द करती है, तब भी कार्ड लौटाना जरूरी होगा।डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद सरकार e-OCI धारकों के मामलों में सीधे अपने डिजिटल रिकॉर्ड के आधार पर पंजीकरण रद्द कर सकेगी। इससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज हो जाएगी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने नई दिल्ली में विदाई भेंट के दौरान नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा से मुलाकात की।

यूपी में तूफान और भारी बारिश से दो दिनों में 24 लोगों की मौत, सीएम योगी ने दिया मदद का भरोसा

लखनऊ (आरएनएस)। पिछले दो दिनों में भारी बारिश, तेज तूफान और बिजली गिरने के कारण पूरे उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान हुआ है, जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, खराब मौसम के चलते हुई घटनाओं में 15 लोग घायल हुए हैं जबकि 16 जानवरों की भी मौत हुई है। राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश, तेज़ हवाओं और बार-बार बिजली गिरने से हालात खराब हो गए हैं, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। खुले खेतों में काम करने वाले किसान, बाहर मौजूद लोग और कच्चे घरों में रहने वाले परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई जगहों पर पेड़ गिरने, बिजली गुल होने और पानी भरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन लोगों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की, जिनकी मौत हुई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मुश्किल समय में राज्य सरकार सभी प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को तुरंत और सही इलाज दिया जाए और अस्पतालों में सभी जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

अम्बाला रिंग रोड से पंजोखरा साहिब की कनेक्टिविटी बेहतर, तीन अंडरपास व सर्विस लेन बनेगी- अनिल विज

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला में निर्माणाधीन रिंग रोड से गांव पंजोखरा साहिब की कनेक्टिविटी काफी बेहतर होगी। गांव के लोगों की सुविधा के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा तीन अंडरपास और लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबी सर्विस लेन का निर्माण किया जा रहा है।

अम्बाला छावनी स्थित अपने आवास पर एनएचएआई अधिकारियों के साथ बैठक के बाद विज ने गांव पंजोखरा साहिब के निवासियों से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रिंग रोड के दोनों ओर आवागमन सुगम बनाने के लिए निश्चित दूरी पर तीन अंडरपास बनाए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अधिकारियों के अनुसार ये अंडरपास जड़ौत-पंजोखरा साहिब, बसौली-पंजोखरा साहिब और तिसम्बली-पंजोखरा साहिब मार्गों पर बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही गुरुद्वारा साहिब के पास से एक सर्विस लेन भी तैयार की जा रही है, जो रिंग रोड से सीधे जुड़ी होगी।

ग्रामवासियों ने इस परियोजना के लिए मंत्री अनिल विज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंडरपास और सर्विस लेन बनने से उनका आवागमन सुगम हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि पहले ग्रामीणों ने रिंग रोड तक पहुंच के लिए सर्विस लेन की मांग की थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। करीब 40 किलोमीटर लंबी सिक्स लेन ग्रीनफील्ड रिंग रोड परियोजना का उद्देश्य अम्बाला शहर और छावनी क्षेत्र में ट्रैफिक

जाम को कम करना है। इस परियोजना के तहत एनएच-152, एनएच-344, एनएच-444ए और एनएच-44 को आपस में जोड़ा जाएगा, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ।

उच्चतम न्यायालय में 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत समाधान समारोह का आयोजन

कोंडागांव (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय में 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को स्पेशल लोक अदालत का अयोजन किया जा रहा है। माननीय उच्चतम न्यायालय में आयोजित स्पेशल लोक अदालत में बैंक से संबंधित मामला, चेक बाउंस, उपभोक्ता विवाद एवं रेरा, सिविल एवं दाण्डिक सुलह योग्य मामले, पारिवारिक विवाद, दुर्घटना दावा, श्रम एवं औद्योगिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, सर्विस (सेवा) संबंधित मामला, स्थानांतरण याचिकाएँ तथा ऐसे मामले जो आपसी सहमती से निष्पादन योग्य है, ऐसे सभी मामले का सुलह किया जायेगा। जिन पक्षकारों का मामला माननीय उच्चतम न्यायालय में चल रहा है, उन प्रकरणों में आपसी समझौता के आधार पर स्पेशल लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण किया जा सकेगा।

टैक्स चोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई, 200 वाहन जब्त, पांच करोड़ रुपये का माल बरामद : चीमा

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। लोहे और स्टील क्षेत्र में टैक्स चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई का एलान करते हुए, पंजाब के वित्त और आबकारी तथा कर मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने गुरुवार को कहा कि राज्य के कर विभाग ने 200 से अधिक वाहनों को कब्जे में लिया है और लगभग पांच करोड़ रुपये की मार्केट वैल्यू का माल जब्त किया है।

वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि इस बड़ी इन्फोर्समेंट मुहिम का निशाना जाली बिलिंग और बिना सही दस्तावेजों के माल की ढुलाई को रोकना है, जिसमें उल्लंघन करने वालों पर तीन करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगने की संभावना है।

चीमा ने बताया कि कर विभाग की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एंड प्रिवेंटिव यूनिट ने आज एक बड़ी इन्फोर्समेंट मुहिम को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। उन्होंने कहा, यह रणनीतिक कार्रवाई मुख्य रूप से मंडी गोबिंदगढ़, खन्ना और आस-पास के इलाकों समेत प्रमुख लोहा और स्टील बेल्ट पर केंद्रित थी। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य बिना वैध दस्तावेजों के माल की ढुलाई और जाली बिलिंग के गैर-कानूनी इस्तेमाल के माध्यम से हो रही टैक्स चोरी को सख्ती से रोकना था।

जब्त किये गये माल की मात्रा के बारे में जानकारी साझा करते हुए वित्त मंत्री ने खुलासा किया, इस विशेष कार्रवाई के दौरान बारीकी से जांच के लिए लोहे के स्क्रैप और तैयार स्टील के माल की ढुलाई करने वाले 200 से अधिक वाहनों को रोका गया। इस कार्रवाई में शामिल माल की कुल मात्रा 1,600 टन से अधिक होने

का अनुमान है, जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग पांच करोड़ रुपये है। प्रारंभिक जांच से स्पष्ट संकेत मिलता है कि कई खेपें या तो बिना सही इनवॉइस और ई-वे बिल के ले जाई जा रही थीं या उनके साथ संदिग्ध जाली दस्तावेज लगाये गये थे। उन्होंने कहा, जी.एस.टी. कानून की संबंधित धाराओं के तहत डिफॉल्टर्स के खिलाफ अधिकृत रूप से कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। इसके नतीजे के रूप में लगने वाला जुर्माना तीन करोड़ रुपये से पार जाने की उम्मीद है, जो विस्तृत जांच और फैसले पर निर्भर करेगा वित्त मंत्री ने कहा, इन्फोर्समेंट टीमों को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि वे सरकारी राजस्व की सुरक्षा के लिए बकाया टैक्स और जुर्माने की तुरंत वसूली समेत तेजी से जांच करें और तुरंत आगे की कार्रवाई को अंजाम दें।

बुद्ध पूर्णिमा पर सामूहिक हवन, वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ रामानुजगंज

रामानुजगंज,(आरएनएस)। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर कनहर नदी तट स्थित प्राचीन राम मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और यज्ञ की पवित्र अग्नि से आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर हो उठा। इस अवसर पर पतंजलि कायाकल्प योग कक्षा, रामानुजगंज द्वारा भव्य सामूहिक हवन का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के अनेक साधकों ने श्रद्धा और समर्पण के साथ आहुति अर्पित कर विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना की।योग कक्षा की संचालिका आरती वाजपेई ने बताया कि पतंजलि कायाकल्प योग कक्षा की गतिविधियां केवल रामानुजगंज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मध्य प्रदेश के अशोक नगर, ग्वालियर और भोपाल में भी ऑफलाइन कक्षाओं के साथ-साथ यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन संचालित की जा रही हैं। प्रतिदिन सैकड़ों साधक इन कक्षाओं से जुड़कर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पूर्णिमा और विशेष पर्वों पर हवन-यज्ञ का आयोजन संस्था की प्रमुख विशेषता बन चुका है।

कॉमेडियन भारती सिंह और शेखर सुमन को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, इस मामले में रद्द की FIR

मुंबई (आरएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कमीडियन भारती सिंह और अभिनेता शेखर सुमन को बड़ी राहत देते हुए वर्ष 2010 में दर्ज एफआईआर को निरस्त करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हास्य-व्यंग्य और तुकबंदी के उद्देश्य से की गई टिप्पणियों का ध्येय किसी समुदाय की भावनाओं को आहत करना नहीं होता।

मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट की तरह से कहा गया कि जिन शब्दों को आपत्तिजनक बताया जा रहा है, वे हैं या अल्लाह! रसगुल्ला! दही भल्ला!। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये केवल तुकबंदी और हास्य के लिए इस्तेमाल किए गए शब्द हैं।उनका तर्क है कि दही भल्ला और रसगुल्ला आम खाद्य पदार्थ हैं, जो सभी समुदायों के लोगों द्वारा जाने और खाए जाते हैं, और इन अभिव्यक्तियों में कोई धार्मिक रंग नहीं है। इस तर्क को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सामान्य सामाजिक उपयोग में ये शब्द अपने आप में तटस्थ हैं। किसी हास्यपूर्ण कार्य में खाद्य पदार्थों का मात्र उल्लेख धर्म का अपमान नहीं हो सकता। यह साबित करने के लिए सबूत होने चाहिए कि इन शब्दों को अपमान के हथियार के रूप में चुना गया था।कोर्ट ने यह भी माना कि कलाकारों को टारगेट करना आसान हो गया है, क्योंकि उन तक पहुंच बहुत आसान है लेकिन आपराधिक कानून का इस्तेमाल गलत तरीके से करना भी गलत है। उन्होंने आगे कहा कि शो पारिवारिक मनोरंजन कार्यक्रम के रूप में प्रसारित होता था और काफी समय से चल रहा था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों में कलाकारों और जजों का उद्देश्य हंसी पैदा करना होता है।कोर्ट के अनुसार, वर्तमान परिस्थितियां मामले के निस्तारण हेतु प्रासंगिक प्रतीत होती हैं। मंच पर प्रदर्शन करने वाला कलाकार प्राय: निर्धारित पटकथा (स्क्रिप्ट) के अनुरूप ही अभिनय करता है। उपलब्ध साक्ष्यों से यह स्पष्ट नहीं होता कि याचिकाकर्ता जजों ने उन संवादों को लिखा था।

महाराष्ट्र में रहते हैं तो मराठी सीखें, लेकिन भाषा के नाम पर हिंसा नहीं : सीएम फडणवीस

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा के अनिवार्य इस्तेमाल को लेकर बढ़ती बहस के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि जहां अपनी मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी है, वहीं, राज्य सरकार भाषा के आधार पर होने वाली हिंसा या भेदभाव को बर्दाशत नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र दिवस के मौके पर हुतात्मा चौक पर मीडिया से बात करते हुए ये बाते कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य में रहने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय भाषा सीखनी चाहिए, उन्होंने भाषाई गौरव के नाम पर हिंसा या डराने-धमकाने के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। राज्य सरकार ने रिक्शा चालकों को मराठी बोलने और जिनको नहीं आती उनको सीखने के लिए अनिवार्य कर दिया है। जिसके बाद रिक्शा यूनियनों ने विरोध किया। रिक्शा यूनियनों के विरोध की वजह से सरकार को अनुपालन की समय सीमा अगस्त तक बढ़ानी पड़ी।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि किसी में मराठी बोलने से इनकार करने की हिम्मत कैसे हो सकती है? जिसके बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। राज ठाकरे ने सरकार की नरमी की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि नियमों का पालन न करने वाले चालकों के परमिट तुरंत रद्द कर दिए जाने चाहिए।

राज ठाकरे को जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र कभी भी संकीर्ण सोच वाला राज्य नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने कभी भी ऐसी मानसिकता नहीं रखी कि प्रवासी यहां न रहें या यहां केवल कुछ खास लोग ही रहें। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया है कि महाराष्ट्र धर्म इस तरह के बहिष्कार का समर्थन नहीं करता। मुझे यह देखकर गर्व होता है कि मेरे मराठी भाई देश भर में जिस भी राज्य में रहते हैं, वहां की संस्कृति और विकास में योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति को मराठी सीखनी चाहिए। उन्होंने जोर-जबरदस्ती को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा निवासियों को भाषा सीखने में मदद करना है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मराठी एक सुंदर और सरल भाषा है, जिसे बिना किसी संघर्ष या हमले का सहारा लिए आसानी से सिखाया जा सकता है।

गरियाबंद में लगातार दूसरा भूकंप का झटका, इलाके में दहशत का माहौल

गरियाबंद,(आरएनएस)। गरियाबंद जिले के देवभोग क्षेत्र में एक बार फिर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है। आज दोपहर लगभग 2:20 बजे धरती हल्की कांपी, जिसके बाद ग्रामीणों में भय फैल गया और कई लोग घरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों में जमा हो गए। जानकारी के अनुसार, पिछले 36 घंटों के भीतर यह तीसरी बार है जब इस क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इससे पहले बीती रात करीब 7:20 बजे भी धरती कांपी थी। वहीं एक दिन पहले आए झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 0.7 दर्ज की गई थी, जो बेहद हल्की श्रेणी में आती है।हालांकि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन बार-बार हो रही इस भूगर्भीय गतिविधि से लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार झटकों के कारण वे डरे हुए हैं और कई लोग रात के समय घरों से बाहर ही समय बिता रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों में विशेष रूप से भय का माहौल देखा जा रहा है। प्रशासन ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखी है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। इस प्रकार के हल्के भूकंप भूगर्भीय हलचल का संकेत हो सकते हैं, लेकिन फिलहाल किसी बड़े खतरे की संभावना नहीं है। फिर भी लगातार झटकों को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई, मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है।

हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा, जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए।

इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं।सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है। उन्होंने कहा, एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं।

प्राइम वीडियो की लेटेस्ट सीरीज लुक्खे का ट्रेलर रिलीज, सोशल मीडिया पर मिला शानदार रिस्पॉन्स

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज लुक्खे का जबरदस्त और रोमांच से भरपूर ट्रेलर लॉन्च किया. यह एक काल्पनिक म्यूजिकल एक्शन ड्रामा है, जहां रैप, बदला और मोक्ष आपस में टकराते हैं. इस ट्रेलर का भव्य लॉन्च मुंबई में उत्साहित लाइव दर्शकों के सामने किया गया, जिसमें प्राइम वीडियो ने अपने एक्सक्लूसिव म्यूजिक स्ट्रीमिंग पार्टनर अमेजन म्यूजिक और म्यूजिक लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर यह आयोजन किया.

इस सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है और इसका निर्माण विपुल डी. शाह और राजेश बहल ने ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले किया है. इसे एग्रीम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने बनाया है और यह उनके ही द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस भी की गई है. इस सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में राशि खन्ना और किंग है, जहां किंग, जो एक प्रशंसित भारतीय रैपर, गीतकार और सिंगर हैं, इस शो के साथ अपना अभिनय डेब्यू कर रहे हैं.

इसके अलावा पलक तिवारी (जो भी अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्षवीर सिंह सारण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे. सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे. यह आठ एपिसोड की सीरीज 8 मई को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर हिंदी में भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज होगी.

लुक्खे का ट्रेलर दर्शकों को एक जबरदस्त और ऊर्जा से भरपूर दुनिया में ले जाता है, जहां एमसी बदनाम (जिसका किरदार किंग निभा रहे हैं)

अपने दमदार अंदाज में माइक पर अपना दबदबा बनाते हुए दिखाया गया है. वहीं उनकी कड़ी टक्कर एमसी ओजी (शिवांकित परिहार द्वारा निभाया गया किरदार) से देखने को मिलती है. साथ ही लकी (लक्षवीर सिंह सारण,) और सनोबर (पलक तिवारी) के बीच उभरती हुई प्रेम कहानी भी कहानी को नया मोड़ देती है.कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, तनाव और भावनाएं और भी गहरी होती जाती हैं और रैप, अपराध तथा रिश्तों की दुनिया आपस में टकराकर एक ऐसे मोड़ पर पहुंचती है, जहां बदले, मोक्ष और जबरदस्त एक्शन की एक रोमांचक कहानी बनती है. इस पूरे माहौल को और भी ज्यादा असरदार बनाता है. इसका जोरदार और अलग-अलग शैलियों वाला साउंडट्रैक, जिसमें एक तरफ तेज और दमदार रैप गाने हैं, तो दूसरी तरफ भावनाओं से भरी हुई मधुर धुनें भी हैं.

ये म्यूजिक हर सीन की ताकत को और बढ़ा देता है और अंत में दर्शकों के मन में एक सवाल छोड़ जाता है. एक ऐसी दुनिया में जहां रैप और बदला दोनों ही बहुत प्रभावशाली हैं, वहां कौन इन सबसे ऊपर उठ पाएगा, और कौन उसमें पूरी तरह खो जाएगा?.

सामंथा ने मां इंति बंगाराम की रिलीज डेट की घोषणा की

स्टार हीरोइन समंथा अभिनीत फिल्म मां इंटी बंगारम की रिलीज डेट आखिरकार तय हो गई है। फिल्म टीम ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि यह प्रतिष्ठित फिल्म 15 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लंबे अंतराल के बाद समंथा तेलुगु सिनेमा में नजर आ रही हैं, इसलिए इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। इस फिल्म में वह एक मध्यमवर्गीय इल्लाली की भूमिका निभाएंगी और दमदार एक्शन सीक्वेंस में नजर आएंगी। ओह बेबी जैसी सुपरहिट फिल्में दे चुकीं नंदिनी रेड्डी इस फिल्म का निर्देशन कर रही हैं, जबकि समंथा अपनी प्रोडक्शन कंपनी ट्रालला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण कर रही हैं।इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक राज निदिमोरु ने किया है और संगीत संतोष नारायणन ने दिया है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंथ, गौतमी और श्रीमुखी जैसे प्रमुख कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सामंथा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्शन से भरपूर गोल्डन हंट - इस गर्मी में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह और बढ़ गया है।

नंदिनी ठाकुर की नए शो में एंट्री, शब्बीर अहलूवालिया के साथ ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा में निभाएंगी खास किरदार

टेलीविजन की दुनिया में हर नए शो के साथ दर्शकों को नई कहानियां और नए किरदार देखने को मिलते हैं। इन दिनों छोटे पर्दे पर एक नया शो ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा चर्चा में बना हुआ है। अब इस शो से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है। दरअसल, अभिनेत्री नंदिनी ठाकुर भी इस कहानी का हिस्सा बनने जा रही हैं।

नंदिनी इससे पहले पुष्पा इम्पॉसिबल और उड़ने की आशा जैसे सीरियल्स में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस नए शो में नंदिनी ठाकुर ईशा नाम की एक युवा लड़की का किरदार निभाएंगी, जो निडर है, रचनात्मक सोच रखती है और अपनी बात खुलकर कहने में विश्वास करती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नंदिनी ठाकुर ने कहा, मुझे ईशा का किरदार शुरू से ही बेहद पसंद आया।

इस किरदार से मेरा एक अलग ही जुड़ाव है। ईशा सिर्फ अपने सपनों के पीछे भागने वाली लड़की नहीं है, बल्कि वह अपने आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। ईशा के अंदर महत्वाकांक्षा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है और यही बात इस किरदार को खास बनाती है। शो में ईशा एक डिजाइनिंग दफ्तर में काम करती हुई नजर आएगी।

वहां वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को नई चीजें बनाने और रचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करती है। नंदिनी ने कहा, यह किरदार आज के युवाओं की सोच और आत्मविश्वास को काफी अच्छे तरीके से दिखाता है। इस शो में शब्बीर अहलूवालिया, श्रीति झा और ऐश्वर्या राज भाकुनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी अपराजिता (श्रीति झा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक कड़वे अतीत के बाद अपनी जिंदगी फिर से शुरू करती है। इस दौरान उसकी मुलाकात रक्षित (शब्बीर अहलूवालिया) नाम के एक बिजनेसमैन से होती है, जिसने प्यार से दूरी बना ली है। धीरे-धीरे दोनों की जिंदगी एक-दूसरे से जुड़ने लगती है। ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा सोमवार से रविवार, रात 8ः00 बजे स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

विश्वकसेन की फिल्म कल्ट का टीज़र रिलीज़

विश्वकसेन अपने करियर के सबसे बोल्ड दौर में से एक में कदम रख रहे हैं, कल्ट के साथ, जो इंडिया की पहली ट्रू स्लैशर फ़िल्म है। फलकनुमा दास और दास की धमकी के बाद यह उनकी तीसरी डायरेक्टोरियल फ़िल्म है, कल्ट को संदीप ककराला ने तारक सिनेमाज़ के अंडर प्रोड्यूस किया है। यह फ़िल्म पूरी तरह से विश्वक सेन के क्रिएटिव विज़न पर बनी है, जिसमें उन्होंने कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन को संभाला है। यह फ़िल्म एक रॉ, बिना किसी समझौते वाला सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने का वादा करती है, जो परेशान करने वाली असली घटनाओं से प्रेरित है।आखिरकार टीज़र आ गया है, जिसमें दोस्तों का एक ग्रुप दिखाया गया है जो एक वाइल्ड नाइट के लिए गोवा पहुँचते हैं, लेकिन उन्हें एक पब में एंट्री नहीं मिलती। वे एक एक्सक्लूसिव पार्टी के लिए कल्ट पास लेते हैं, जो जल्द ही एक बुरे सपने में बदल जाती है जब होस्ट एक खतरनाक गेम शुरू करता है जहाँ ज़िंदा रहना ही एकमात्र नियम बन जाता है।

भूत बंगला ने दुनियाभर में काटा गदर, 13वें दिन 200 करोड़ के हुई पार, तोड़े स्त्री और थामा के रिकॉर्ड्स

दो हफ्ते पहले रिलीज हुई अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की रीयूनियन फिल्म भूत बंगला दूसरे हफ्ते में भी शानदार परफॉर्म कर रही है और नए रिकॉर्ड भी अपने नाम कर रही है. वहीं रिलीज के 13वें दिन इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड न केवल एक बड़ा आंकड़ा छू लिया. बल्कि स्त्री को भी पछाड़ दिया. जानते हैं हॉरर-कॉमेडी जॉनर की भूत बंगला ने रिलीज के 13वें दिन दुनियाभर में कितना कलेक्शन किया है?

भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इससे एक दिन पहले इसके पेड प्रीव्यू शो रखे गए थे. अक्षय कुमार स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से बेहद प्यार मिला और इसने भारत में अपने पहले वीकेंड में 58 करोड़ की नेट कमाई की. इसके बाद दूसरे शनिवार को इसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया. वहीं दूसरे वीकेंड में भी फिल्म ने दमदार कमाई कर डाली. हालांकि दूसरे सोमवार को इसके कलेक्शन में गिरावट आई, लेकिन मंगलवार को इतने कमाई में तेजी दिखाई. वहीं दूसरे बुधवार को इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सैकनिल्क के आंकड़ो के मुताबिक 3.50 करोड़ की नेट कमाई की, जिससे इसका कुल भारतीय बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 124.50 करोड़ (147.90 करोड़ ग्रॉस) हो गया. फिल्म के कलेक्शन में तीसरे वीकेंड में कुछ इजाफा होने की उम्मीद है, लेकिन द डेविल वियर्स प्राडा 2 और राजा शिवाजी जैसी नई रिलीज इसकी कमाई को झटका दे सकती हैं.

भूत बंगला ने विदेशों में भी अच्छा परफॉर्म किया है. पेड प्रीव्यू शो और पहले दिन की एवरेज शुरुआत के बाद, इसने दूसरे और तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में .1 मिलियन की कमाई की, 13 दिनों के बाद, फिल्म का विदेशी ग्रॉस कलेक्शन 5.6 मिलियन है. फिलहाल, विदेशों में फिल्म का प्रदर्शन लगभग ठप हो चुका है.

फिल्म राजा शिवाजी करेगी बंपर ओपनिंग? एडवांस बुकिंग में दिखा मजबूत प्रदर्शन

रितेश देशमुख ने अब तक हीरो, विलेन और कॉमिक किरदार निभाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। पहली बार अभिनेता एक पीरियड ड्रामा फिल्म का हिस्सा बने हैं, जिसका निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है। उनकी ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी 1 मई को सिनेमाघरों में उतरने के लिए बिल्कुल तैयार है। इससे पहले, फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू कर दी गई थी जिसमें फिल्म ने शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए धड़ाधड़ टिकटों को बेच डाला है।सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने 30 अप्रैल की सुबह तक 76,467 से ज्यादा टिकट बेच दिए हैं। यह बिक्री मराठी 2डी, हिंदी 2डी और हिंदी 4डीएक्स को मिलकार कुल 3,587 शोज के लिए हुई है। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले देशभर में 1.98 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

गर्मियों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है क्योंकि इसकी ठंडी हवा गर्मी की समस्याओं से सुरक्षित रख सकती है, लेकिन अक्सर लोग इसे सही तरीके से नहीं चलाते हैं। इससे न केवल बिजली का बिल बढ़ता है, बल्कि एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। आइए जानते हैं कुछ सामान्य गलतियों के बारे में, जिन्हें सुधारकर आप अपने एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता बढ़ा सकते हैं।

एयर कंडीशनर का तापमान बहुत कम रख देना

कई लोग कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए एयर कंडीशनर का तापमान बहुत कम कर देते हैं। इससे बिजली का बिल बढ़ जाता है और एयर कंडीशनर की उम्र कम हो जाती है। एयर कंडीशनर का तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच होना चाहिए। इससे कमरे का तापमान आरामदायक रहेगा और बिजली की खपत भी कम होगी।

एयर फिल्टर की सफाई न करना

कई लोग एयर कंडीशनर के एयर फिल्टर की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं, जिससे उसमें धूल-मिट्टी जम जाती है और हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इससे सेहत पर असर पड़ सकता है और एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। समय-समय पर एयर फिल्टर की सफाई करना जरूरी है ताकि एयर कंडीशनर सही तरीके से काम करे।

हवा के रास्ते को बंद करना

अगर कमरे में फर्नीचर या बड़ा सामान रखा है, तो हो सकता है कि आपने एयर कंडीशनर की हवा के रास्ते को बंद कर दिया हो। इससे हवा सही तरीके से नहीं फैल पाती और कमरे का तापमान ठीक से नहीं बदलता। इससे एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और बिजली की खपत बढ़ जाती है। इसलिए हवा के रास्ते को हमेशा खुला रखें।

दरवाजे और खिड़कियां खुली रखना

एयर कंडीशनर चलाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखना एक बड़ी गलती हो सकती है। इससे ठंडी हवा बाहर चली जाती है और एयर कंडीशनर को कमरे का तापमान नियंत्रित करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। इसलिए एयर कंडीशनर चालू रहने पर दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें।

नियमित देखभाल न कराना

एयर कंडीशनर की नियमित देखभाल कराना बहुत जरूरी होता है। अगर इसे नजरअंदाज किया जाए तो एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता धीमी हो सकती है और वह जल्दी खराब भी हो सकता है। नियमित देखभाल से न केवल एयर कंडीशनर बेहतर तरीके से काम करता है बल्कि बिजली की खपत भी कम होती है। इसके अलावा इससे आपकी सेहत पर भी अच्छा असर पड़ता है क्योंकि साफ-सुथरा एयर कंडीशनर हानिकारक कणों को दूर करता है।

गर्मियों के दौरान पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं? जानिए कारण

गर्मियों में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिसके कारण पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में लू और पानी की कमी के कारण भी पेट की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, गर्मियों में कई लोग तले हुए और अधिक तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना पसंद करते हैं, जो पाचन के लिए ठीक नहीं होते। आइए जाने कि गर्मियों में पेट की समस्याएं क्यों बढ़ जाती हैं।

खान-पान में लापरवाही

गर्मियों में खाने-पीने का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में सही तरीके और सही समय पर खाना बेहद जरूरी है। दरअसल, गर्मियों में लोग अपनी भूख को नजरअंदाज कर देते हैं और जब भूख लगती है तो कुछ भी खा लेते हैं, जो पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा, लोग तले हुए और तेल वाले खाद्य पदार्थ खाना भी पसंद करते हैं, जो पेट के लिए ठीक नहीं होते।

पानी की कमी

गर्मियों में शरीर में पानी की कमी और लू जैसी समस्याएं पेट की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इनसे बचने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी जरूर पिएं। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए नारियल पानी, नींबू पानी और ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं। इसके साथ ही तरबूज, खरबूज और खीरे जैसी पानी से भरपूर सब्जियां और फलों का सेवन करें।

खाने के तुरंत बाद पानी पीना

खाने के तुरंत बाद पानी पीने की आदत भी पेट की समस्याओं का कारण बन सकती है। अगर आप खाने के तुरंत बाद पानी पीते हैं, तो इस आदत को सुधार लें। खाने के एक घंटे बाद ही पानी पिएं। खाने के दौरान पानी पीने से पाचन पर बुरा असर पड़ता है और इससे गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कब्ज और अपच जैसी पेट की समस्याओं का भी खतरा बढ़ जाता है।

बाहर का खाना

गर्मियों में बाहर का खाना खाने से बचें क्योंकि इस मौसम में बाहर का खाना जल्दी खराब हो जाता है और इससे खाने की खराबी होने की संभावना बढ़ जाती है। खाने की खराबी के कारण उल्टी, दस्त, पेट दर्द और मतली जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप बाहर के खाने की बजाय घर का बना भोजन खाएं और घर का बना भोजन भी ताजा खाएं।

ताजे फलों का सेवन

गर्मियों में तरबूज, खरबूज और खीरे जैसे ताजे फल मिल जाते हैं। ये फल स्वादिष्ट होने के साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। तरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। खरबूज में विटामिन-सी, विटामिन-ए और फोलेट पाया जाता है। खीरे में भी विटामिन-सी और पोटेशियम की अधिक मात्रा होती है। इन फलों का सेवन करने से शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद मिल सकती है।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री ने जमकर की भारत की तारीफ, ईंधन संकट के बीच दोनों देशों में अंतर को किया रेखांकित

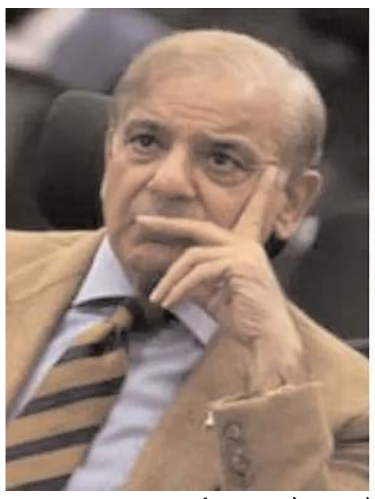

इस्लामाबाद, (ए.)। ईरान युद्ध के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इस बीच पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने भारत और पाकिस्तान के बीच ईंधन संकट को लेकर अहम अंतर को रेखांकित किया है।

मलिक के अनुसार, रणनीतिक तेल भंडार और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार के कारण भारत इस संकट का सामना अपेक्षाकृत बेहतर तरीके से कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में संभावित नाकेबंदी से प्रभावित तेल आपूर्ति के बावजूद भारत ने अपने भंडार और विविध स्रोतों से कच्चे तेल की खरीद के जरिए स्थिति को संभाला।

भारत ने अपने बड़े विदेशी मुद्रा भंडार, रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व और कर नीतियों का उपयोग कर वैश्विक तेल संकट के प्रभाव को कम करने की कोशिश की। इसके विपरीत, पाकिस्तान के पास रणनीतिक तेल भंडार नहीं हैं। मलिक ने बताया कि पाकिस्तान के पास केवल वाणिज्यिक भंडार हैं, जो 5 से 7 दिनों तक कच्चे तेल की जरूरत पूरी कर सकते हैं, जबकि परिष्कृत ईंधन का स्टॉक करीब 20 से 21 दिनों तक ही चल सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत के पास लगभग 60 से 70 दिनों का रणनीतिक भंडार उपलब्ध है, जिसे जरूरत पड़ने पर तुरंत उपयोग में लाया जा सकता है। साथ ही भारत के पास करीब 600 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार भी है, जिससे उसे संकट के समय राहत मिलती है।

मलिक ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ हुए समझौते की शर्तों को भी जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया कि बजट के दौरान पाकिस्तान ने आईएमएफ और अन्य दाता एजेंसियों के साथ मिलकर पेट्रोल और डीजल पर कर लगाने का फैसला किया था, ताकि वित्तीय घाटे को नियंत्रित किया जा सके।

तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पाकिस्तान को राहत उपायों के लिए आईएमएफ से बातचीत करनी पड़ी। मलिक ने कहा कि डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद सरकार ने डीजल पर टैक्स घटाकर शून्य करने और उसका बोझ पेट्रोल पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही मोटरसाइकिल चालकों को लक्षित सब्सिडी देने की योजना भी बनाई गई है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ बातचीत कर पेट्रोलियम करों में प्रति लीटर 80 रुपये तक की कमी कराने पर सहमति बनाई है। मलिक के अनुसार, यदि पाकिस्तान आईएमएफ से किए गए वादों से पीछे हटता, तो आर्थिक स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

नेपाल में बड़ा हादसा, अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी जीप; 20 लोगों की मौत

काठमांडू (आरएनएस)। पश्चिमी रोल्पा जिले की थवांग ग्रामीण नगरपालिका में एक जीप दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच गई है। रोल्पा के जिला प्रशासन कार्यालय ने यह जानकारी दी। 22 यात्रियों को ले जा रही एक जीप सड़क से 700 मीटर नीचे गिर गई, जिससे उसमें सवार अधिकांश लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। रोल्पा के मुख्य जिला अधिकारी गंगा बहादुर छेत्री ने बताया कि अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो लोगों का इलाज एक स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। छेत्री ने आगे कहा कि हादसे की सही वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है।यह घटना गुरुवार शाम को हुई, जब इलाके में बारिश के दौरान एक जीप कीचड़ भरी सड़क से फिसल गई। पुलिस के अनुसार, इस निजी जीप को स्थानीय लोगों ने किराए पर लिया था, जो शुक्रवार को जिले के जलजला इलाके में बैसाख पूर्णिमा उत्सव में शामिल होने जा रहे थे।

अफसरों के साथ ट्रंप ने 45 मिनट तक 'वॉर रूम' में की बैठक, ईरान पर अंतिम प्रहार की तैयारी

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। मिडिल-ईस्ट में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच 'यूएस सेंट्रल कमांड' (CENTCOM) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित कार्रवाई के विकल्पों पर विस्तृत ब्रीफिंग दी है। इससे संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन अब कूटनीति के साथ-साथ सैन्य दबाव बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार, करीब 45 मिनट चली इस हाई-लेवल ब्रीफिंग में ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की गई। अमेरिकी सैन्य योजनाकार इस बात के लिए भी तैयार हैं कि यदि अमेरिका कोई कार्रवाई करता है, तो ईरान क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला कर सकता है। इस बैठक में ज्वाइंट चीफ्स के चेयरमैन जनरल डैन केन की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि अमेरिका गंभीरता से सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, CENT-COM ने 'शॉर्ट एंड इंटेंस' रणनीति का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत कम समय में सटीक और तेज हमले कर ईरान के महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाया जा सकता है। इसका उद्देश्य ईरान पर दबाव बनाकर उसे परमाणु मुद्दे पर बातचीत के लिए मजबूर करना है।

पत्रकारों द्वारा संभावित बातचीत पर पूछे गए सवाल के जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, वे (ईरान) छिपे हुए हैं और समझौता करना चाहते हैं। इस बयान से स्पष्ट है कि अमेरिका 'मैक्सिमम प्रेशर' की नीति पर आगे बढ़ रहा है।

CENTCOM के प्रस्तावों में हाइपरसोनिक 'डार्क ईगल' मिसाइलों की तैनाती भी शामिल है, जो तेज और सटीक हमलों के लिए जानी जाती हैं। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण स्थापित करने का विकल्प भी विचाराधीन है, जिससे वैश्विक व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित न हो। हालांकि, ऐसे कदम से क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है।

एक अन्य रणनीति के तहत ईरान के उच्च संवर्धित यूरेनियम भंडार को सुरक्षित करने के लिए विशेष बलों की कार्रवाई का सुझाव भी दिया गया है। इसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सीधे प्रभाव डालने वाला कदम माना जा रहा है।इसी बीच, ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार रात एयर डिफेंस सिस्टम के सक्रिय होने की खबर सामने आई। ईरानी मीडिया के अनुसार, यह कार्रवाई छोटे ड्रोन या टोही विमानों को रोकने के लिए की गई थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह अभ्यास था या किसी वास्तविक खतरे की प्रतिक्रिया।

ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा की ट्रंप को खुली चुनौती, कहा- अमेरिका की नाकामी और होर्मुज में नया अध्याय..

न्यूयॉर्क (ए.)। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने गुरुवार को अमेरिका पर तीखा हमला बोलते हुए फारस की खाड़ी क्षेत्र को लेकर कड़ा बयान दिया। उनका यह संदेश ईरानी सरकारी टीवी पर प्रसारित किया गया,

जिसमें उन्होंने अमेरिका की नीतियों को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया।खामेनेई ने कहा कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को राष्ट्रीय संपत्ति मानता है और किसी भी दबाव में इन्हें नहीं छोड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भविष्य में फारस की खाड़ी क्षेत्र का विकास अमेरिका के बिना ही संभव है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास बसे देशों की किस्मत आपस में जुड़ी हुई है और बाहरी शक्तियों को यहां दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि हजारों किलोमीटर दूर से आने वाली ताकतों के लिए इस क्षेत्र में कोई जगह नहीं है।यह बयान उस समय सामने आया है जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि ईरान के साथ परमाणु समझौता होने तक हरमुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसैनिक मौजूदगी जारी रहेगी।

यूएई की एतिहाद एयरवेज ने 15 पाकिस्तानी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

-इस कार्रवाई से वहां के पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय में डर और बेचैनी बढ़ी

दुबई,(ए.)। संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के रिश्तों में तल्खी की चर्चा के बीच दो बड़े घटनाक्रम सामने आए हैं। एक तरफ यूएई की राष्ट्रीय एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने अचानक 15 पाकिस्तानी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, वहीं दूसरी तरफ यूएई से जुड़ा बड़ा निवेशक पाकिस्तान के टेलीकॉम सेक्टर में अपनी हिस्सेदारी की समीक्षा कर रहा है। जानकारी के मुताबिक अबू धाबी में एतिहाद एयरवेज के हैंगर में काम कर रहे 15 पाकिस्तानी कर्मचारियों को अचानक इमिग्रेशन ऑफिस बुलाया। वहां उन्हें सीधे नोटिस देकर 48 घंटे के अंदर यूएई छोड़ने का आदेश दे दिया। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि इनमें से कुछ कर्मचारी सालों से कंपनी के साथ जुड़े थे, एक कर्मचारी ने तो 18 साल तक सेवा दी थी। इतने कम समय में बैंक, परिवार और बाकी काम समेटना नामुमकिन है। इस कार्रवाई से वहां के पाकिस्तानी प्रवासी समुदाय में डर और बेचैनी बढ़ गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एतिहाद एयरबेस ने इस फैसले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। आमतौर पर कंपनियां छंटनी के लिए एचआर प्रक्रिया अपनाती हैं, लेकिन यहां इमिग्रेशन की सीधी एंट्री और तुरंत देश छोड़ने का आदेश कई सवाल खड़े कर रहा है। इसी बीच एक और खबर ने पाकिस्तान की चिंता बढ़ा दी है। यूएई से जुड़ी टेलीकॉम कंपनी एटिसला पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी की समीक्षा कर रही है। कंपनी का कहना है कि यह ग्लोबल निवेश रणनीति का हिस्सा है, जो कई देशों में चल रही है।इन दोनों घटनाओं को एक साथ देखकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या यूएई और पाकिस्तान के रिश्तों में दूरी बढ़ रही है।

खेल समाचार

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने बदला मुंबई इंडियंस का इतिहास, 19 साल पूराना रिकॉर्ड तोड़कर किया अपने नाम

नईदिल्ली (आरएनएस)। आईपीएल 2026 के 41वें मैच में मुंबई इंडियंस को सनराइजर्स हैदराबाद से हार का सामना करना पड़ा. मुंबई ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 243 रन बनाए थे. जिसको हैदराबाद ने 18.4 ओवर में चेज करके मैच को 6 विकेट से जीत लिया।

ये मैच मुंबई इंडियंस जरूर हार गया लेकिन उसके एक बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शतक जड़कर दो बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. रिकेल्टन ने मैच में 56 गेंद में नाबाद 123 रनों की पारी खेली, जिसमें 10 चौकों और 8 छक्कों शामिल थे।

मुंबई इंडियंस टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले रयान रिकेल्टन ने सिर्फ 44 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. इसके साथ ही, वो आईपीएल के इतिहास में मुंबई इंडियंस के लिए सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के सनथ जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने 2008 में 45 गेंदों में शतक बनाया था।

इसके अलावा, रिकेल्टन ने आईपीएल इतिहास में मुंबई इंडियंस के लिए 123 रन बनाकर सबसे बड़ा स्कोर बनाने का भी रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इससे पहले ये रिकॉर्ड जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने 2008 में 114 रन बनाए थे।

गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हराकर हिसाब किया बराबर

नईदिल्ली,(आरएनएस)। आईपीएल 2026 के 42वें मैच में गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया. कप्तान शुभमन गिल की 18 गेंदों में 43 रनों की तेज पारी की बदौलत गुजरात ने 156 रनों के मामूली लक्ष्य को सिर्फ 15.5 ओवरों में 6 विकेट खोकर हासिल कर लि।

इस जीत के साथ गुजरात ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपनी हार का बदल भी ले लिया और अंक तालिका में वो 5वें नंबर पर पहुंच गए. वहीं आरसीबी 9 मैच में 12 पॉइंट्स के साथ अभी भी दूसरे स्थान पर बरकरार है।

156 रनों के जवाब में गुजरात टाइटंस की तरफ से कप्तान शुभमन गिल ने 18 गेंदों में 43 रनों की तूफानी पारी खेली. इसके अलावा बटलर 19 गेंदों में 39 रन बनाने में सफल रहे. आखिर में राहुल तेवतिया 27 रनों बनाकर नाबाद रहे और 25 गेंदें शेष रहते हुए गुजरात टाइटन्स को आसानी से जीत दिला दी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार सबसे शानदार गेंदबाज रहे, जिन्होंने तीन विकेट लिए, जबकि रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट चटकाए।

इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पूरी टीम 19.2 ओवर में 155 रनो पर ही ऑलआउट हो गई. कोहली ने 13 गेंदों में तेजी से 28 रन बनाए इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल ने 24 गेंद में 40 रन बनाए.निचले क्रम के बल्लेबाज टीम को संभाल नहीं पाए, रोमारियो शेफर्ड ने 17 रन बनाए, जबकि भुवनेश्वर कुमार और वेंकटेश अय्यर ने भी कुछ छोटे-मोटे योगदान दिए. अंत में, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 19.2 ओवरों में 155 रन बनाकर ऑल आउट हो गई.गुजरात टाइटंस की तरफ से अर्शद खान ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि होल्डर और राशिद ने दो-दो विकेट चटकाए. होल्डर को उनकी शानदार गेंदबाजी की वजह से प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया.रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 19.2 ओवरों में 155 (देवदत्त पडिक्कल 40, कोहली 28) गुजरात टाइटन्स 15.5 ओवरों में 158/6 रन (शुभमन गिल 43, जोस बटलर 39) ।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई में मुकाबला

चेन्नई (ए.)। आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। दोनो ही टीमों को पता है कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उन्हें ये मैच जीतना जरुरी है। ये दोनो ही पांच-पांच बार की खिताब विजेता रही हैं पर इस बार दोनो को ही बेहद खराब हालातों का सामना करना पड़ा है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके इस बार बल्लेबाजी ओर गेंदाबाजी दोनो में ही लय में नहीं है जो उसकी हार का कारण रहा है। वहीं मुम्बई इंडियंस की कहानी भी ऐसी ही है वह अपने स्टार खिलाड़ियों की विफलत से जूझ रही है। मुम्बई के पास सूर्यकुमार यादब और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हैं पर दोनो ही इस सत्र में विफल रहे हैं। उसका मध्य क्रम कमजोर है। उसके गेंदबाज भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे। सीएसके को उम्मीद है कि घरेलू मैदान पर उससे स्पिनर सफल रहेंगे। दूसरी ओर मुम्बई इनके खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहेगी।

दोनों की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए कोई भी टीम इस बार पसंदीदा नजर नहीं आती है। यह मुकाबले में

हारने वाली टीम का प्लेऑफ का सफर समाप्त हो जाएगा। इसलिए दोनो ही ये मैच जीतने उमरेंगी। सीएसके अंक तालिका में छठे स्थान पर है। उसे आठ मैचों में केवल तीन जीत मिली है। उसकी ओर से अब तक केवल संजू सैमसन ही रन बना पाये हैं। वहीं गेंदबाजी में अंशुल कम्बोज ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

दूसरी ओर मुम्बई के भी हाल खरा हैं और वह अंक तालिका में नौवें नंबर पर है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे क्योंकि एक हार से वह प्लेऑफ से बाहर होगी।आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 40 मुकाबले हुए हैं जिसमें मुम्बई ने 21 जबकि सीएसके ने 19 जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कम्बोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील होसिन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिन्ज (विकेटकीपर), डेनिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्वनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष्ण भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

कनाडा क्रिकेटः मोंटी देसाई पुरुष टीम के हेड कोच बने

टोरंटो,(आरएनएस)। क्रिकेट कनाडा ने मोंटी देसाई को पुरुषों की नेशनल टीम का हेड कोच बनाया है. देसाई की नियुक्ति को कनाडा क्रिकेट के विकास के लिए अहम माना जा रहा है. कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद मोंटी देसाई ने कहा, मुझे यह जिम्मेदारी लेते हुए गर्व महसूस हो रहा है. मैं क्रिकेट कनाडा को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं. कनाडा में मेरे पिछले अनुभव ने मुझे संभावना और खेल के लिए मौजूद पैशन को स्पष्ट तौर पर समझने में मदद की है।

उन्होंने कहा, वैश्विक रूप से क्रिकेट के विकास में एसोसिएट क्रिकेट का विकास अहम है. नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने दिखाया है कि विश्वास, अनुशासन और निडरता से क्या हासिल किया जा सकता है. कनाडा के पास भी ऐसा ही मौका है, और मेरा फोकस एक ऐसी संस्कृति बनाने पर होगा जो इस क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रदर्शन में बदल दे।

क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अरविंदर खोसा ने कहा, हमारी सबसे पहली प्राथमिकता, प्रोफेशनलिज्म और लक्ष्य की एक नई और मजबूत भावना के जरिए क्रिकेट कनाडा की पहचान को फिर से बनाना है. मोंटी देसाई की नियुक्ति इसी उद्देश्य के साथ की गई है. एसोसिएट देशों, खासकर नेपाल और अफगानिस्तान के साथ उनका अनुभव, प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन और एक साफ लंबी अवधि के जरिए टीमों को बदलने की उनकी काबिलियत दिखाता है।

बीसीसीआई ने आईपीएल प्लेयर इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के लिए वैभव सहित 25 खिलाड़ियों का नामांकन किया

मुम्बई(ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड के नामांकन की सूची जारी की है। बोर्ड ने सभी 10 टीमों में से ऐसे 25 खिलाड़ियों का चयन किया है, जो इस अवॉर्ड के दावेदार हैं। इसके लिए वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, समीर रिजवी, मुकुल चौधरी और प्रियांश आर्या से लेकर सलिल अरोड़ा जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।ये अवॉर्ड उस खिलाड़ी को मिलेगा जिसने सत्र में सबसे अधिक बेहतर प्रदर्शन किया हो। इसके साथ ही उसमें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने की संभावना हो। ये अवॉर्ड केवल अनकैप्ड खिलाड़ी को ही दिया जाएगा। वहीं उस खिलाड़ी का जन्म भी एक अप्रैल 2000 के बाद हुआ होना चाहिये। पहले किसी सत्र में इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड नहीं जीता हो। इसमें पब्लिक वोट के अलावा टीवी कमेंटेटर्स की पसंद भी चयन के लिए पूछी जाती है।इस अवार्ड के लिए सबसे अधिक पांच खिलाड़ी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स के अलावा मुंबई इंडियंस के भी 3-3 खिलाड़ी इस सूची में शामिल हैं जबकि राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के 2-2 खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स का एक-एक खिलाड़ी इसमें शामिल है। ये सभी खिलाड़ी इस सत्र में एक या इससे ज्यादा मैच खेल चुके हैं।

खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है

एसआरएचः अनिकेत वर्मा, प्रफुल हिंगे, साकिब हुसैन, सलिल अरोड़ा और शिवांग कुमार
डीसी- समीर रिजवी, विपराज निगम और साहिल परख सीएसके - आयुष म्हात्रे, कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर जीटी- अशोक शर्मा, कुमार कुशाग्र और मानव सुथर एमआई- अश्वनी कुमार, क्रिस भगत और दानिश मालेवार केकेआर - अंगकृष रघुवंशी और कार्तिक त्यागी एलएसजी - मुकुल चौधरी और प्रिंस यादव आरआर - वैभव सूर्यवंशी और यश राज पुंजा आरसीबी - रसिख डार पीबीकेएस - प्रियांश आर्या

शुभमन ने दिया विराट के आक्रामक जश्न का जवाब

अहमदाबाद (ए.)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली जब मैदान पर उतरते हैं और अपने जोश और जुनून के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव बनाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। गुजरात टाइटंस के

खिलाफ मैच में भी विराट ने ऐसा ही किया। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का कैच लेने के बाद कोहली ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। शुभमन भी कहां पीछे रहने वाले थे। मैच जीतने के बाद उन्होंने भी इसका करारा जवाब दिया।

जब विराट ने कैच पकड़ा तो उस समय शुभमन 18 गेंदों में तेजी से 43 रन बनाकर खेल रहे थे। उनकी इस पारी से गुजरात की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य को हसिल करने में सफल रही। इसी कारण उसने आरसीबी को मैच में 4 विकेट से हरा दिया।

मैच में आरसीबी के खिलाफ जीत के बाद शुभमन ने एक ऐसी पोस्ट साझा की जो देखते ही देखते वायरल हो गई। अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में शुभमन ने मैच की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें से एक में कोहली भी नजर आ रहे थे। इसमें जो शब्द प्ले बोल्ड है वो विराट के जश्न का जवाब माने गए, क्योंकि प्ले बोल्ड आरसीबी का ही नारा है और गिल ने इसे इस्तेमाल कर अपने जवाब को और तीखा बना दिया।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय तो बना दिया व्यवस्थाएं बनी हुई हैं अधूरी

शासन प्रशासन का नहीं है ध्यान, परेशान हो रहे हैं मरीज

बलराम शर्मा।

नर्मदापुरम। लोगों के इलाज के लिए एलोपेथी के साथ ही आयुर्वेद और होम्योपैथी पद्धति को बढ़ावा देने के लिए शासन स्तर से तमाम प्रयास किए जाते हैं। लेकिन इन्हें लेकर गंभीर प्रयास देखने को नहीं मिलते। संभाग मुख्यालय पर स्थित जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए भले ही स्वास्थ्य विभाग ने कुछ इंतजाम कर दिए हों, लेकिन आयुर्वेद और होम्योपैथी को लेकर उपेक्षा बरती जा रही है। वर्ष 2009 में 10 कक्षों वाला आयुर्वेदिक अस्पताल स्वीकृत हुआ था। वर्ष 10-11 में लेआउट डाला गया था। लेकिन निर्माण कार्य के लिए बजट के आवंटन में लेट लतीफी होती रही आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण में अनेक अड़ंगे आते रहे बड़ी जद्दोजहद के बाद वर्ष 12-13 में बजट आया। अस्पताल निर्माण के लिए लघु उद्योग निगम ने कार्य किया। फिर जैसे तैसे चिकित्सालय बन कर तैयार हुआ। लेकिन अभी तक व्यवस्थाएं अधूरी हैं। निर्धारित योजना के मुताबिक वर्ष 2012 में अस्पताल का निर्माण पूरा हो जाना था। जो तीन चार साल बाद 2016 में बन सका था। फिर भी अभी व्यवस्थाएं लड़खड़ा रही हैं। लेकिन कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा है।

जर्जर हो गए हैं पलंग

आयुर्वेदिक अस्पताल के पास मरीजों को भर्ती की करने की सुविधा पूर्व में नहीं थी लेकिन नए अस्पताल बनने पर मरीजों को भर्ती करने की सुविधा शुरू होकर बंद हो गई है। पूर्व में ओपीडी तक ही मरीज सीमित थे। नया अस्पताल बनने के बाद मरीजों को भर्ती करने की सुविधा दी गई। लेकिन जहां जिला अस्पताल में गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या बड़ती जा रही हैं। वहां पलंग खाली नहीं हैं लेकिन यहां पर सभी पलंग खाली पडे हैं। खाली ही नहीं खराब पड़े हुए हैं। अस्पताल में एक बार सर्प आ गया था तब से भर्ती करना बंद कर दिया गया है।

पंचकर्म की व्यवस्था भी है

मुख्यालय के इस आयुर्वेदिक अस्पताल में पंच कर्म की सुविधा है। पूर्व कुछ दिनों तक काफी अच्छी सुविधा रही पूर्व के कुछ कमिश्नर तक यहां पर पंचकर्म के लिए आते रहे हैं। जज भी आए हैं धीरे धीरे यहां पर व्यवस्थाएं सीमित होती जा रही हैं।

45 लाख से बना चिकित्सालय

लोगों में एलोपेथी के अलावा आयुर्वेदिक और होम्योपैथी पद्धिति से इलाज कराने के प्रति जागरूगता आई है। नर्मदापुरम संभाग में वर्तमान में आयर्वेद 45 लाख की लागत से बना है। जिसमें 30 बिस्तरों के अस्पताल के निर्माण की स्वीकृति हुई थी। हालांकि बनते बनते सिर्फ 20 विस्तरों उसके बाद और कम फिर सिर्फ विस्तरों वाला ही अस्पताल बनकर रह गया है। विस्तर हैं मरीजों को भर्ती की सुविधा गायब हो गई।

भटकता रहा चिकित्सालय

जिला आयुर्वेदिक अस्पताल तीन दशक तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भटकता रहा। कई सालों तक किराये के भवनों में समय काटने के बाद जिला अस्पताल में शरण मिली, कुछ वर्षों तक जीर्ण शीर्ण भवन में संचालित होता रहा। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलग से अस्पताल बनाने की स्वीकृति प्रदान की। जिला अस्पताल के पीछे रिक्त जगह पर 15 लाख की लागत से जिला आयुर्वेदिक अस्पताल बनाया गया है। यहां पर भी व्यवस्थाओं और स्टाफ का टोटा बना हुआ है। ऐसे में जैसे तैसे व्यवस्थाएं चल रही हैं।

स्वीकृत हुए थे कुल बिस्तर-30
वर्तमान में विस्तर रखे गए-20
चिकित्सालय में बने कुल कक्ष-10
चिक्ति्सालय के लिए स्वीकृत डॉक्ट-09
वर्तमान में कार्यरत डॉक्टर-05-06
चिकित्सालय की कुल लागत-45 लाख

स्वीकृति हुए थे 9 डॉक्टर कार्यरत हैं कम

नए बनने पर अस्पताल में मरीजों के लिए 09 डाक्टर स्वीकृत हुए थे। लेकिन वर्तमान में यहां पर कम ही डाक्टर ही कार्यरत हैं उनमें से भी कुछ आते हैं कुछ चले जाते हैं।कम से ही कार्य चलाया जा रहा है। वहीं अस्पताल में स्टाफ की भी कमी बनी हुई है। सिर्फ काम चलाऊ व्यवस्था ही हो रही है।

आरईएस का सुस्त रवैयाआरईएस के द्वारा यहां पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। विभाग का सुस्त रवैया रहने से कार्य की गति कछुआ चाल से हो रही है। जिससे कई दिनों तक मरीजों को परेशान होना तय है। अस्पताल जैसे विशेष स्थान को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

यहां पर अस्पताल के सामने गिट्टी, रेत सरिया ईट सड़क पर रखकर रास्ता जाम कर दिया है। मृगनैनी एंपोरियम एसडीओ नलकूप के साथ ही इस क्षेत्र के कर्मचारी परेशान हैं। लेकिन जबावदार सूरदासों को कोई लेना देना नहीं है।

नर्मदापुरम में 'नर्मदा सेवा समागम' के तहत स्वच्छता अभियान आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। माँ नर्मदा को निर्मल, अविरल एवं स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, नर्मदापुरम द्वारा चयनित नवांकुर संस्थाएँ वीणा पाणि संगीत एवं सामाजिक संस्था तथा वसुंधरा सामाजिक संस्था, बीसारोडा के संयुक्त तत्वावधान में 'नर्मदा सेवा समागम' कार्यक्रम का आयोजन पर्यटन घाट, नर्मदापुरम में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत घाट परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की गई तथा माँ नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने माँ नर्मदा से संवाद कर प्रार्थना की, कि वे समस्त जनमानस को सद्बुद्धि प्रदान करें, जिससे प्रत्येक व्यक्ति माँ नर्मदा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित हो और उनका पावन जल सदैव निर्मल बना रहे। संस्था के आनंद नामदेव ने कहा कि माँ नर्मदा का जल स्वच्छ रहने से जलचर सुरक्षित रहेंगे, जल पीने योग्य बना रहेगा तथा स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की व्याधि का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह कार्यक्रम जिला समन्वयक श्री पवन सहगल एवं ब्लॉक समन्वयक श्री नरेंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संतोष पचलानिया, दीपेश पटेल, देवीशरण चौरे, आशीष नामदेव, आदित्य परसाई, विशाल सगर, मदनमोहन बड़कर, श्रीमती अनुराधा पटेल, श्रीमती सुरेखा चौरे सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष नरेंद्र पटेल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

शाम को भी चल रही लू की लपटें, सूर्यदेव दिखा रहे रोद्र रूप

पारा 42 डिग्री से ऊपर, गर्मी का असर हो रहा तेज

नर्मदापुरम (निप्र)। गर्मी का असर तेज होता जा रहा है। ज्येष्ठ माह के लगते ही तेज लू लपट का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री दर्ज हुआ है। बीते कुछ दिनों से तापमान 42 से ऊपर ही उछाल पर है। दिन भर तेज तपन के साथ गर्म हवाएं चलने से लू के थपेडे के कारण झुलसाने वाली गर्मी का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अभी और गर्मी बड़ने की संभावना बन रही हैं। उन्होने बताया कि राजस्थान क्षेत्र से गर्म हवाएं आ रही हैं उसके कारण कभी बादलों का रूख तो कभी गर्म हवाओं का रूख बना हुआ है। इस मौसम के चलते आने वाले दिनों में हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। वहीं डाक्टरों का कहना है कि इस मौसम में छोटे बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखने की आवश्यकता है। उनको पीने के पानी की कमी नहीं होने देना चाहिए। दोपहर के समय धूप से बचें। बासा भोजन नहीं करना चाहिए। तेज गर्मी से सावधान रहने की आवश्यकता है। शरीर में पानी की कमीं नहीं आने देना चाहिए। लू का असर दिखते ही उपचार जरूर कराना चाहिए।

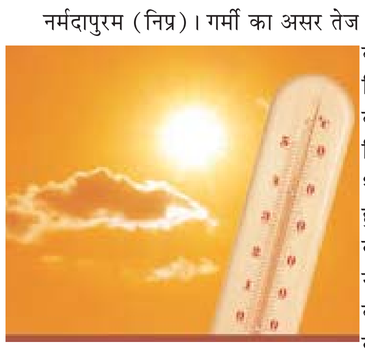

नर्मदा तट के घाटों पर भिक्षावृत्ति प्रतिबंधित, सिटी मजिस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा जारी निर्देशों में भिक्षावृत्ति में संलग्न निर्धन, अशिक्षित बच्चों, महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षण और पुनर्वास के लिए विस्तृत परामर्श जारी की गई है। जारी आदेशानुसार नगरीय निकायों एवं अन्य शासकीय विभागों के सहयोग से भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों को भिक्षावृत्ति से उन्मूलन एवं समग्र पुनर्वास, आश्रय, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुनिश्चित किया जाना है। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम एवं सीएमओ को दिए गए निर्देशों के परिपालन में नगर नर्मदापुरम में नर्मदा नदी के तट पर स्थित सेठानी घाट, कोरी घाट एवं पर्यटन घाट में भिक्षावृत्ति पर नियंत्रण किये जाने हेतु उपखंड मजिस्ट्रेट नगर नर्मदापुरम देवेन्द्र प्रताप सिंह, द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत नर्मदा नदी के तट पर स्थित सेठानी घाट, कोरी घाट एवं पर्यटन घाट में भिक्षावृत्ति उन्मूलन एवं भिक्षावृत्ति में संतिप्त व्यक्तियों की सुरक्षा एवं समग्र पुनर्वास हेतु भिक्षावृत्ति एवं भिक्षावृत्ति से सम्बंधित अन्य गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों की निरंतर जांच जारी

एसडीएम सोहागपुर ने किया क्षेत्र के विभिन्न गेहूं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में गेहूं उपार्जन हेतु निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। निर्बाध एवं सुचारू गेहूं खरीदी के उद्देश्य से जिला उपार्जन समिति, समस्त एसडीएम, तहसीलदार एवं खंड स्तरीय समिति द्वारा लगातार उपार्जन केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सोहागपुर प्रियंका भलावी, तहसीलदार रामकिशोर झरबड़े एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा रबी उपार्जन 2026 की सतत मॉनिटरिंग के तहत विभिन्न वेयरहाउसों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विशाल, सावी, विजयलक्ष्मी, नर्मदा एवं बालाजी वेयरहाउस में व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने तोल कांटों की शुद्धता, गेहूं तौल कार्य की प्रक्रिया, बारदाना उपलब्धता, स्टैकिंग व्यवस्था, किसानों के लिए पेयजल एवं छाया की व्यवस्था, साथ ही परिवहन एवं भंडारण व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उपार्जन कार्य को पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता एवं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त खुले में रखे गेहूं के स्कंध को संभावित वर्षा से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों द्वारा दिए गए।

नापतौल विभाग द्वारा की गई उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटों की जांच एवं सत्यापन कार्य

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नापतौल विभाग नर्मदापुरम द्वारा विभिन्न खरीदी केन्द्रों पर निरीक्षण एवं सत्यापन कार्य किया गया। निरीक्षण के दौरान सेवा सहकारी समिति जसलपुर, राधा आजीविका स्व सहायता समूह जसलपुर, सेवा सहकारी समिति रैसलपुर, सेवा सहकारी समिति रामपुर गुर्रा तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सनखेड़ा में गेहूं उपार्जन हेतु उपयोग किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की नियमानुसार बाट रखकर जांच की गई। साथ ही तौल कांटों का सत्यापन कार्य भी किया गया।निरीक्षण टीम द्वारा केन्द्रों पर किसानों से खरीदे गए गेहूं के बोरों का पुन: तौल कर सत्यापन सुनिश्चित किया गया, जिससे तौल प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। सहायक नियंत्रक नापतौल सलिल ल्यूक ने सभी संबंधित संस्थानों को निर्देशित किया कि वे अपने वेयरहाउस में उपयोग किए जा रहे इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों के साथ दो डिस्प्ले अनिवार्य रूप से स्थापित करें। एक डिस्प्ले संस्थान के अंदर ऑपरेटर के लिए तथा दूसरा बाहर लगाया जाए, ताकि किसानों एवं अन्य व्यक्तियों को अपने अनाज या सामग्री का वजन स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके।

रेत के अवैध परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही निरंतर जारी

खनिज के ओवरलोड एवं अवैध परिवहन किए जाने पर 02 वाहन जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोडिंग तथा बिना ढके रेत परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सतत एवं सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा गत दिवस कार्रवाई करते हुए ग्राम पवारखेडा, तहसील माखननगर से एक डम्पर क्रमांक 0988 को रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वहीं औद्योगिक क्षेत्र मोहासा में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली (सोनालिका, बिना नंबर) को अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए जप्त किया गया।दोनों जप्त वाहनों को पुलिस थाना माखननगर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। इसके साथ ही प्रशासन द्वारा रेत परिवहन करने वाले अन्य वाहनों की सघन जांच भी की जा रही है तथा वाहन चालकों को रेत ढककर परिवहन करने एवं नियंत्रित गति से वाहन चलाने के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। उक्त प्रकरण में जप्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

ग्राम सांगाखेड़ा खुर्द में 'रेवा सेवा समागम' कार्यक्रम का शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नर्मदा नदी को अविरल एवं निर्मल बनाए रखने हेतु 'रेवा सेवा समागम' कार्यक्रम का शुभारंभ आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम सागाखेड़ा खुर्द, विकासखंड माखननगर में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था साथी सामाजिक सेवा समिति एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सागाखेड़ा खुर्द द्वारा जिला समन्वयक पवन सहगल एवं विकासखंड समन्वयक नरेंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में श्रमदान किया गया, जिसमें नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति के सदस्यों एवं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मां नर्मदा के तट की साफ-सफाई की। द्वितीय चरण में मां नर्मदा का पूजन एवं आरती की गई।

एसडीएम सोहागपुर ने अस्पताल का निरीक्षण कर लिया स्वास्थ व्यवस्थाओं का जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) सोहागपुर द्वारा शुक्रवार को शासकीय अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन प्रसूति वार्ड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ठेकेदार को कार्य निर्धारित समयसीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। इसके उपरांत एसडीएम द्वारा शासकीय अस्पताल सोहागपुर का भी निरीक्षण कर प्रसूति वार्ड, जनरल वार्ड सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान मरीजों को उपलब्ध सुविधाएं, दवाओं की उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति एवं उपचार व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही भर्ती मरीजों से चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की एक्सपायरी डेट की भी जांच की गई, ताकि मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। एसडीएम ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि वार्डों में प्रतिदिन बेडशीट बदलना एवं साफ-सफाई सुनिश्चित करना अनिवार्य रूप से किया जाए। इस दौरान बीएमओ डॉ. रेखा गौर भी उपस्थित रहीं।

3 मई को नर्मदापुरम में पटवा वैश्य महासभा का शपथ ग्रहण समारोह, समाज की नई दिशा तय करने जुटेंगे प्रदेशभर के प्रतिनिधि

नर्मदापुरम (निप्र)। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित पटवा मंगल भवन में 3 मई को अखिल भारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन में प्रदेशभर से समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

समारोह में मुख्य रूप से मध्यप्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक सीताचरण शर्मा तथा अखिल भारतीय श्री पटवा वैश्य महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष श्रीकांत पटवा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इनके साथ ही प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, जिला अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एवं नवमनोनीत पदाधिकारी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कार्यक्रम को लेकर आयोजकों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले प्रतिनिधियों के स्वागत की व्यवस्था की गई है।

इस शपथ ग्रहण समारोह को केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, रोजगार, सामाजिक एकता और संगठन को मजबूत बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर ठोस रणनीति बनाई जाएगी।

समाज के वरिष्ठजनों का मानना है कि इस तरह के आयोजन से न केवल संगठन को मजबूती मिलेगी, बल्कि युवाओं को भी समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलेगी।

आयोजकों ने प्रदेशभर के पटवा समाज से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जनगणना 2026-27 : 1 मई से मकान सूचीकरण अभियान की शुरुआत

30 मई तक चलेगा अभियान, नागरिकों से सहयोग की अपील

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत की जनगणना 2026-27 के अंतर्गत जिले में प्रथम चरण के रूप में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस महत्वपूर्ण कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने के उद्देश्य से अधिकारियों, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनगणना कार्य हेतु चार्ज निर्धारित कर दिए गए हैं। साथ ही प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर उन्हें क्षेत्रवार जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह अभियान 1 मई से प्रारंभ होकर 30 मई तक संचालित किया जाएगा, जिसके दौरान प्रगणक घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण करेंगे, भवन क्रमांक अंकित करेंगे तथा आवास संबंधी आवश्यक जानकारी संकलित करेंगे।जनगणना के इस चरण में मकान की संरचना, परिवार के सदस्यों की संख्या एवं पेयजल, विद्युत, शौचालय, रसोई गैस, वाहन सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जानकारी दर्ज की जाएगी। साथ ही भवनों की जियो-टैगिंग कर डिजिटल मैपिंग भी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आंकड़ों का वैज्ञानिक एवं सटीक संकलन संभव हो सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार के व्यक्तिगत दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी नहीं मांगी जाएगी। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी जनगणना कार्यालय अथवा पुलिस को दी जाए। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करें एवं प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि जिले की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन किया जा सके। प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया है कि जनसहभागिता से नर्मदापुरम जिला इस कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कर प्रदेश में उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

खंड-I

ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय-हरदा (सामान्य) वनमण्डल, मध्य प्रदेश

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 2324/ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 27/04/2026

1. वनमंडलाधिकारी, हरदा (सामान्य) वनमण्डल द्वारा म0प्र0 भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

अनु. क्रमांक	सामग्री का विवरण	सत्यांकार निधि (भौतिक)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
01	बारबेड वायर	100000.00	राशि 1000.00

- निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि:शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
- इच्छुक निविदाकार क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक 27 अप्रैल 2026 बजे प्रात: 10.00 से दिनांक 17 मई 2026 तक बजे 6.00 तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते हैं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लिखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी।
- निविदा पूर्व बैठक दिनांक 13 मई 2026 समय दोपहर 12.00 बजे से 1.00 बजे तक को हरदा (सामान्य) वनमण्डल कार्यालय में आयोजित की जाएगी जिसमें इच्छुक निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिध स्वयं भाग ले सकते हैं। निविदा पूर्व बैठक में केवल वे ही भाग लेने के हकदार होंगे जिन्होंने ई-टेंडर फॉर्म खरीदे है।
- ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धि पत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं।
- ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://www.mptenders.gov.in

जी/12268/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

वनमण्डल अधिकारी
हरदा (सामान्य) वनमण्डल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com